राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,31 मार्च–2023 वर्ष–6,अंक–65 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में कोरोना की 'जानलेवा' रफ्तार; 300 नए केस, 2 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के मामलों में बड़ा उछाल देखा गया है। राष्ट्रीय राजधानी में बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना के 300 केस सामने आए हैं जबकि दो लोगों की मौत हो गई है। यह आंकड़ा इस साल का सर्वाधिक बताया जा जा रहा है।इसके साथ ही दिल्ली में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 806 हो गई है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट बढ़कर लगभग 14 फीसद हो गई है। दिल्ली में एक दिन पहले मंगलवार को कोरोना के 214 नए मामले सामने आये थे जबकि संक्रमण दर 11.82 फीसद दर्ज की गई थी। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में बीते 24 घंटों के दौरान संक्रमण में तेजी से वृद्धि देखी गई है। चिंताजनक बात यह है कि पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण से दो लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटों में 2,160 स्वैब नमूनों की जांच की गई जिनमें से 300 सैंपल पॉजिटिव पाए गए। दिल्ली में सोमवार को 7.45 फीसद की पॉजिटिविटी रेट देखी गई थी जबकि 115 मामले सामने आये थे। दिल्ली में रविवार को 9.13 प्रतिशत पॉजिटिविटी रेट के साथ 153 मामले जबकि शनिवार को 4.98 फीसद पॉजिटिविटी रेट के साथ 139 नये केस सामने आये थे। दिल्ली में बीते 24 घंटों के दौरान कुल 163 कोविड मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही दिल्ली में कोरोना को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर 19,82,029 हो गई है। इससे पहले राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को कोविड के 214 नए मामले दर्ज किए गए थे जबकि एक्टिव केस की संख्या 671 दर्ज की गई थी। दिल्ली में एक दिन पहले मंगलवार को सकारात्मकता दर 11.88 प्रतिशत दर्ज की गई थी। दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामलों में इस समय उछाल देखा जा रहा है जब देश में एच3एन2 इन्फ्लूएंजा के मामलों में तेज वृद्धि देखी जा रही है।

केजरीवाल रोज पीटते हैं छाती, शाह का आप चीफ पर बड़ा अटैक

सिसोदिया-जैन पर पूछा सवाल

नई दिल्ली। गृहमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर बड़ा अटैक किया है। आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से जांच एजेंसियों के दुरुपोग का आरोप लगाए जाने को लेकर पलटवार करते हुए शाह ने पूछा कि क्यों मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को जमानत नहीं मिल पा रही है? उन्होंने 'आप' के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि केजरीवाल रोज छाती पीटते हैं, लेकिन मामला कोर्ट में हैं। एक टीवी इंटरव्यू में अमित शाह से विपक्ष के उन आरोपों को लेकर सवाल किया गया था जिनमें कहा जा रहा है कि सीबीआई और ईडी का दुरुपयोग करते हुए विपक्षी नेताओं को परेशान किया जा रहा है। अमित शाह ने जवाब देते हुए केजरीवाल पर भी पलटवार किया। गृहमंत्री ने कहा, केजरीवाल भी रोज छाती पीटते हैं।

भइया से सारे निर्दोष हैं तो जैन साहब कितने समय से अंदर है, क्यों बेल नहीं होता। सिसोदिया कितने समय से अंदर है, क्यों बेल नहीं होता है। इस देश में अदालते हैं, सबने अपना केस लेकर अदालत के सामने जाना चाहिए। एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाने के लिए मैं कांग्रेस के मित्रों को कहना चाहता हूं कि एक अंगुली किसी की तरफ करोगे तो चार अंगुली आपकी तरफ होता है, यह ध्यान रखना।

गौरतलब है कि 'आप' के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन पिछले साल मई से ही मनी लॉन्ड्रिंग के एक केस में जेल में बंद हैं। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और अरविंद केजरीवाल के

'आप' के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि केजरीवाल रोज छाती पीटते हैं, लेकिन मामला कोर्ट में हैं। एक टीवी इंटरव्यू में अमित शाह से विपक्ष के उन आरोपों को लेकर सवाल किया गया था जिनमें कहा जा रहा है

सबसे करीबी नेता मनीष सिसोदिया को इस साल 26 फरवरी को शराब घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री इन आरोपों को झूठा बताते हुए केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। वह इसे एजेंसियों के दुरुपयोग का मामला बताकर सहानुभूति बटोरने की कोशिश कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने दी रामनवमी की शुभकामनाएं, बोले- भगवान राम का जीवन हर युग में मानवता के लिए प्रेरणा

नई दिल्ली। देशभर में आज रामनवमी मनाई जा रही है। रामनवमी का पर्व आज देशभर में पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। आज ही के दिन भगवान राम का जन्म हुआ था। रामनवमी चैत्र मास के नौवें दिन मनाई जाती है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस अवसर पर लोगों को बधाई दी है। इस अवसर पर पीएम मोदी ने भी लोगों को बधाई दी है।

रामनवमी के अवसर पर राष्ट्रति मुर्मु ने दी बधाई

राष्ट्रपति मुर्मु ने ट्वीट कर रामनवमी की बधाई दी और कहा कि राम नवमी पर सभी देशवासियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम के चरित से त्याग व सेवा का अमूल्य संदेश मिलता है। सभी देशवासी, प्रभु राम के उच्च आदर्शों को आचरण में ढालें और एक गौरवशाली भारत के निर्माण के लिए स्वयं को समर्पित करें, ऐसी मेरी मंगलकामना है। उन्होंने लोगों से भगवान राम के आदर्शों को आत्मसात करने और भारत को एक गौरवशाली राष्ट्र बनाने में स्वयं को समर्पित करने का आग्रह किया।

रामनवमी पर पीएम मोदी ने दी बधाई–प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को ट्वीट कर रामनवमी के शुभ अवसर पर लोगों को बधाई दी और कहा कि भगवान राम का जीवन हर युग में मानवता के लिए प्रेरणा हैं। मोदी ने उनकी जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले त्योहार के अवसर पर ट्वीट किया, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन त्याग, तपस्या, संयम और संकल्प पर आधारित था। गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया कि सभी को रामनवमी के महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। मर्यादा पुरुषोतम प्रभु श्रीराम ने धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने के साथ विकट परिस्थितियों में भी धैर्य और सभी के लिए एक समान दयालुता के भाव की शिक्षा पूरे मानव जगत को दी। प्रभु श्रीराम सभी पर अपनी कृपा बनाये। जय श्रीराम!

दिल्ली में जी 20 बैठक से पहले लौटेगी स्मारकों की रंगत

पुरात्तव विभाग ने बनाया यह प्लान

नई दिल्ली। जी 20 बैठक से पहले दिल्ली के ऐतिहासिक स्मारकों की पुरानी रंगत लौटाई जाएगी। दिल्ली पुरातत्व विभाग की ओर से राजधानी में 20 ऐसे स्मारकों की पहचान की है, जिन्हें आने वाले दिनों में संवारा जाएगा। इसके तहत स्मारकों के संरक्षण और विकास से जुड़े कार्य किए जाएंगे। इसका बजट भी तैयार कर लिया गया है। लोधी रोड फ्लाईओवर के पास स्थित गोल गुबंद, आसफ अली रोड पर तुर्कमान गेट, बवाना गांव में जेल, कुतुब रोड पर इमामबाड़ा, झंडेवालान मेट्रो स्टेशन के नजदीक भूली भटियारी का महल सहित कई अन्य स्मारकों को संवारा जाएगा। इसके अलावा महरौली के पुरातत्व पार्क स्थित कई स्मारकों का भी संरक्षण किया जाएगा। संरक्षण कार्य के संबंध में निविदा आमंत्रण को लेकर सूचना जारी की जा चुकी है। इसके अलावा सक्षम प्राधिकारी द्वारा दूसरे स्मारकों के संरक्षण को लेकर भी निर्णय लिया जा सकता है।

सुरक्षा के इंतजाम भी होंगे–स्मारकों के

संरक्षण के साथ उनकी सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा। कई स्मारकों के परिसर में सीसीटीवी लगाए जाएंगे। स्मारकों को संवारने में 14 करोड़ रुपये से अधिक राशि खर्च की जाएगी। इसमें सिविल कार्य पर 11 करोड़ से ज्यादा और इलेक्ट्रिक कार्यों पर दो करोड़ से अधिक की राशि शामिल हैं।

कर्नाटक में कोटा से निकलेगी कांग्रेस के अहिंदा कार्ड की काट? भाजपा ने तैयार कर लिया प्लान

नई दिल्ली। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। 10 मई को मतदान होना है और ठीक तीन दिन बाद यानी 13 मई को नतीजे आ जाएंगे। इस ऐलान के बाद पार्टियां अपनी कमर कसने में जुटी हैं और सारे ढीले पेचों को टाइट किया जा रहा है ताकि कोई कसर न रहे। इसी कड़ी में भाजपा कोटा की राजनीति करती दिख रही है। उसने हाल ही में मुस्लिम वर्ग को ओबीसी कोटे में मिलने वाले आरक्षण से हटा दिया है। भाजपा को लगता है कि यह आरक्षण लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय को बढ़कर मिलेगा और इससे उसका वोटबैंक मजबूत हो सकता है। भाजपा की इस रणनीति को कांग्रेस अहिंदा कार्ड की काट माना जा रहा है। कन्नड़ में अल्पसंख्यक, ओबीसी और दलित समुदाय को एक साथ संबोधित करने के लिए अहिंदा शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। यही नहीं भाजपा की एक रणनीति यह भी है कि वह पूरे चुनाव में

पीएम नरेंद्र मोदी, बीएस येदियुरप्पा और बसवराज बोम्मई को आगे रखेगी, लेकिन किसी भी चेहरे को सीएम फेस के तौर पर प्रोजेक्ट नहीं करेगी। इस बीच भाजपा ने उम्मीदवारों की लिस्ट पर काम करना भी शुरू कर दिया है। पार्टी की ओर से पहली सूची 8 अप्रैल तक जारी हो सकती है।

कोटा के जरिए इन वर्गों पर डोरे डालने की तैयारी–दरअसल भाजपा ने बीते कुछ दिनों में कोटा पॉलिटिक्स की ओर तेजी से कदम बढ़ाए हैं। बोम्मई सरकार ने अनुसूचित जनजाति को मिलने वाले 3 फीसदी आरक्षण को बढ़ाकर 7 पर्सेंट कर दिया है। इसके अलावा दलितों को मिलने वाले 15 फीसदी कोटे को भी 17 पर्सेंट कर दिया गया है। यही नहीं मुस्लिमों के एक वर्ग को मिलने वाले ओबीसी कोटा को भी समाप्त किया है। मुस्लिम वर्ग को इस कोटे से बाहर करने पर वोक्कालिगा और लिंगायत समुदाय की हिस्सेदारी बढ़ जाएगी। दोनों ही ओबीसी वर्ग में आते हैं।

मुस्लिमों का कोटा वोक्कालिगा और लिंगायतों को मिलेगा–अपनी आखिरी कैबिनेट मीटिंग में बोम्मई सरकार ने ओबीसी कैटिगरी के तहत मुस्लिमों को मिलने वाले 4 फीसदी आरक्षण को समाप्त कर दिया है। इसके अलावा 4 फीसदी हिस्से को बराबर-बराबर बांटते हुए वोक्कालिगा और लिंगायतों को भागीदारी दी है। भाजपा को लगता है कि कोटे को लेकर लिए गए फैसलों से दलित, जनजाति और ओबीसी वर्ग का बड़ा हिस्सा उसके पाले में आएगा,

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामला

कोर्ट ने दिया ईदगाह का सर्वे कराने का आदेश, 17 अप्रैल को रिपोर्ट करें पेश

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामला में सिविल सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट नीरज गोंड ने बहस के बाद ईदगाह परिसर के अमीन सर्वे का आदेश दिया है। अदालत ने इसकी रिपोर्ट 17 अप्रैल की सुनवाई में रखने को कहा है। जबकि प्रतिवादी पक्ष इस दावे को नकार रहा है। प्रतिवादी पक्ष के अनुसार अदालत में 7 रुल 11 पर सुनवाई की मांग पर अपना निर्णय सुरक्षित रखा है। गौरतलब हो कि हिंदू सेना संगठन अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने पिछले वर्ष न्यायालय में प्रार्थना पत्र दाखिल करते हुए मांग की थी कि विवादित स्थान जोकि मुगल शासक औरंगजेब ने मंदिर तोड़ कर अवैध शाही मस्जिद का निर्माण किया था। उस स्थान का सर्वे सरकारी अमीन के द्वारा कराना चाहिए और रिपोर्ट न्यायालय में पेश की जाए वादी के अधिवक्ता शैलेश दुबे ने न्यायालय सिविल जज सीनियर डिविजन एफटीसी कोर्ट में अहम तथ्य को रखा था तभी 8 दिसंबर 2022 को विवादित स्थान का सर्वे सरकारी अमीन से आख्या मांगने के आदेश किए थे. प्रतिवादी अधिवक्ताओं ने अभी तक कोर्ट में कोई आपत्ति दाखिल नहीं की थी। उसी का फायदा उठाते हुए वादी अधिवक्ता ने बुधवार एफटीसी कोर्ट में पिछले आदेश को पुनः कार्य में लाने का अनुरोध किया है। बुधवार को हिंदू सेना के दाखिल प्रार्थना पत्र पर कोर्ट ने सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों को सुना। करीब एक घंटे तक हुई बहस के दौरान वादी पक्ष ने मौके पर अमीन भेजकर वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट मंगाए जाने की बात कही। वहीं मुस्लिम पक्ष ने पहले केस के मेंटेबल और नॉन मेंटेबल होने पर 7 रूल 11 के तहत सुनवाई की बात कही।

प्रधानमंत्री 1 अप्रैल को आएंगे भोपाल, वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन का करेंगे शुभारंभ

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 1 अप्रैल को भोपाल के प्रवास पर रहेंगे। वे यहां भारतीय सेना की कमांडर कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे और भोपाल से दिल्ली के बीच शुरू होने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारम्भ करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी भारतीय सेना की कमांडर कॉन्फ्रेंस में शिरकत करने के लिए 30 मार्च को भोपाल पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीरवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 1 अप्रैल की भोपाल यात्रा की तैयारियों की जानकारी ली। साथ ही कार्यक्रमों के समय और स्वरूप से संबंधित चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बुधवार शाम को मुख्यमंत्री निवास पर हुई

इस बैठक में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस और पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और सेना एवं रेलवे के अधिकारी भी उपस्थित थे। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 1 अप्रैल को प्रातः भोपाल विमानतल पर पहुंचने के बाद हेलीकाप्टर से लाल परेड ग्राउंड पहुंचेंगे। जहां से वे कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में होने वाली भारतीय सेना की कमांडर कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेंगे। इस कॉन्फ्रेंस के बाद प्रधानमंत्री मोदी दोपहर बाद रानी कमलापति स्टेशन से नई दिल्ली जाने वाली नवीन ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखा कर रवाना करेंगे। भोपाल के नागरिक प्रधानमंत्री मोदी के कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह से रानी कमलापति स्टेशन जाने के यात्रा मार्ग में शिवाजी नगर में उपस्थित होकर उनका अभिवादन और स्वागत करेंगे।

मुख्यमंत्री चौहान ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के संदर्भ में रानी कमलापति स्टेशन पर आवश्यक स्वच्छता और सौंदर्यीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की भोपाल प्रवास अवधि में आवश्यक सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं संबंधी निर्देश भी दिए गए। मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कमांडर कॉन्फ्रेंस के सिलसिले में 30 मार्च को भोपाल आगमन संबंधी चर्चा भी अधिकारियों से की।

अब भारतीय सेना के लिए अलग उपग्रह जीसैट-7 बी विकसित करेगा इसरो

नई दिल्ली। जमीन से लेकर आसमान और समुद्री सीमाओं के बाद अब भारत ने युद्ध की तैयारियों के लिहाज से अंतरिक्ष में भी खुद को मजबूत करना शुरू कर दिया है। अब भारतीय सेना के लिए अलग से 5 टन का नया संचार उपग्रह जीसैट-7 बी इसरो विकसित करेगा। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के साथ 2963 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। दरअसल, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सशस्त्र बलों की उपग्रह आधारित संचार और नेटवर्क केंद्रित ताकत बढ़ाने के लिए जीएसएटी-7 और जीएसएटी-7ए को पृथ्वी की कक्षा में रखा है। मल्टी बैंड जीसैट-7 को रुक्मिणी के नाम से जाना जाता है। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से भारतीय नौसेना करती है। यह पहला ऐसा सैन्य संचार उपग्रह है, जो समुद्री जहाजों और वायुयानों के बीच सटीक वास्तविक समय की जानकारी प्रसारित करता है। नई पीढ़ी के जीसैट-7ए की सहायता से भारतीय वायु सेना अपने हवाई बेड़े, एयरबेस, रडार स्टेशनों के साथ-साथ अवाक्स नेटवर्क को संचालित करती है। भारतीय सेना मौजूदा समय में भारतीय वायु सेना के संचार उपग्रह जीसैट-7ए पर निर्भर है।

अब भारतीय सेना के लिए इसरो अलग से 5 टन का नया उपग्रह जीसैट-7 बी विकसित करेगा, जिससे सेना की संचार क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने आज न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के साथ 2963 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। यह उपग्रह सैनिकों और संरचनाओं के साथ-साथ हथियार और हवाई प्लेटफार्मों को दृष्टि संचार की रेखा से परे महत्वपूर्ण मिशन में काफी वृद्धि करेगा। जियोस्टेशनरी उपग्रह पांच टन श्रेणी में अपनी तरह का पहला होने के नाते इसे इसरो स्वदेशी रूप से विकसित करेगा। उपग्रह के कई पुर्जे और

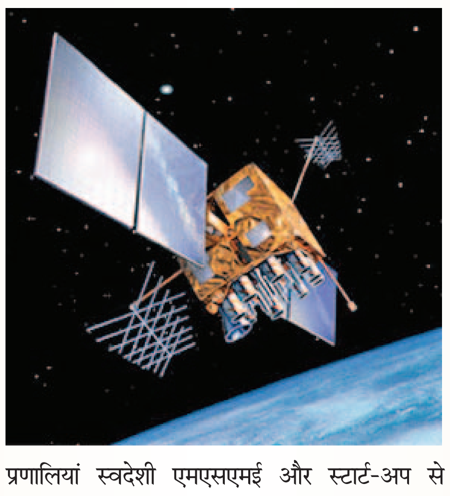

प्रणालियां स्वदेशी एमएसएमई और स्टार्ट-अप से हासिल की जाएंगी, जिससे निजी भारतीय अंतरिक्ष उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना साढ़े तीन साल की अवधि में लगभग तीन लाख मानव-दिवस का रोजगार सृजित करेगी।

भारतीय सेना फिलहाल निगरानी के लिहाज से अंतरिक्ष के कार्टोसैट और रिसैट श्रृंखला पर बहुत अधिक निर्भर हैं। इसरो ने इनमें से एक दर्जन से अधिक अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की कक्षा में डाल दिया है। नौ लॉन्च किए गए कार्टोसैट उपग्रहों में नवीनतम तीसरी पीढ़ी का कार्टोसैट-3 अंतरिक्ष में भारत का सबसे शक्तिशाली इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल पर्यवेक्षक है। यह अत्यधिक फुर्तीला उपग्रह है जो उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले पंचक्रोमाटिक पेलोड से लैस है। इसके जरिये 0.25 मीटर ग्राउंड रिज़ॉल्यूशन की तस्वीरें मिलती हैं, जो मौजूदा समय में भारतीय सेना के संचालित किसी भी रक्षा उपग्रह से बेहतर है।

रक्षा मंत्रालय ने आज ही भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ दो और अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। बीईएल के साथ पहला अनुबंध भारतीय सेना के लिए 1,982 करोड़ रुपये के ऑटोमेटेड एयर डिफेंस कंट्रोल एंड रिपोर्टिंग सिस्टम %प्रोजेक्ट आकाशतीर% की खरीद से संबंधित है। %आकाशतीर% भारतीय सेना के युद्ध क्षेत्रों पर निम्न स्तर के हवाई क्षेत्र की निगरानी करने में सक्षम होगा और ग्राउंड बेस्ड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम को प्रभावी रूप से नियंत्रित करेगा। बीईएल के साथ दूसरा अनुबंध भारतीय नौसेना के लिए 412 करोड़ रुपये की कुल लागत पर सारंग इलेक्ट्रॉनिक सपोर्ट मेज़र (ईएसएम) सिस्टम के अधिग्रहण से संबंधित है। यह भारतीय नौसेना के हेलीकॉप्टरों के लिए अपग्रेडेड इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम है, जिसे समुद्रिका कार्यक्रम के तहत स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है।

संपादकीय

कर्नाटक का चुनाव

चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी है। 224 सदस्यीय विधानसभा के लिए 10 मई को वोट डाले जाएंगे और 13 मई को मतगणना होगी। दक्षिण के राज्यों की एक सिफत यह भी है और यकीनन वहां के लोगों की राजनीतिक परिपक्वता का परिचायक भी कि इसके बड़े सूबों में भी चुनाव अमूमन एक चरण में कराने में चुनाव आयोग को कठिनाई पेश नहीं आती और परिणाम के लिए राज्य के लोगों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ता। कई चरणों में चुनाव और मतदान-मतगणना के बीच ज्यादा लंबा अंतराल न सिर्फ अनिश्चितता की अवधि को विस्तार देता है; कार्यपालिका की गति को उन दिनों में शिथिल करता है, बल्कि सामाजिक तनाव भी बढ़ता है। यूं तो कर्नाटक विधानसभा चुनाव अपने नियत समय पर हो रहा है, मगर जिस राष्ट्रीय राजनीतिक पृष्ठभूमि में यह होने जा रहा है, उसने इसके महत्व को अखिल भारतीय बना दिया है, क्योंकि यह अगले आम चुनाव के चुनावी वर्ष की पहली बड़ी सियासी परीक्षा है। कर्नाटक के चुनाव भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस, दोनों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। यह दक्षिण का एकमात्र बड़ा सूबा है, जहां न सिर्फ भाजपा की अपनी सरकार है, बल्कि दक्षिण भारत के उसके ज्यादातर लोकसभा सदस्य इसी प्रदेश से चुनकर आते रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह उन मल्लिकार्जुन खड़गे का गृह प्रदेश भी है, जिन्हें कांग्रेस ने अपना नया अध्यक्ष मुंतखिब किया है। इसलिए ये दोनों पार्टियां पूरे दमखम से मैदान में हैं और चुनाव तिथि की घोषणा से काफी पहले से जमीनी स्तर पर इनके कार्यकर्ता जुट चुके हैं। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले तीन महीने में कर्नाटक के कई दौरे कर चुके हैं। राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद यह किसी भी दक्षिण भारतीय प्रदेश का पहला विधानसभा चुनाव है, तो इसमें इसके असर की भी परीक्षा होगी। जाहिर है, ये दोनों राष्ट्रीय पार्टियां चाहेंगी कि जनादेश उनके पक्ष में आए, ताकि इसके संदेश को लेकर वे लोकसभा चुनाव का अपना माहौल तैयार कर सकें। मगर इस केंद्रीय राजनीतिक रणनीति का नुकसान यह है कि स्थानीय मुद्दे हाशिये पर चले जाएंगे। दक्षिणी राज्य अपेक्षाकृत समृद्ध रहे हैं और कर्नाटक तो उनमें भी एक अग्रणी राज्य है। मगर पिछले दिनों जिस तरह से वहां धार्मिक ध्रुवीकरण की कोशिशें तेज हुईं, उनसे इसकी प्रगतिशील छवि को नुकसान पहुंचा है। एकाधिक बड़े उद्यमियों तक को सियासी संगठनों व राज्य सरकार को आगाह करना पड़ा था कि प्रदेश की औद्योगिक प्रगति के लिए तनाव की स्थिति न बनने दी जाए। महाराष्ट्र के साथ सीमा-विवाद तो इस हद तक चला गया था कि दोनों जगह भाजपा की सरकार होने के बावजूद दोनों विधानसभाओं ने एक-दूसरे के खिलाफ प्रस्ताव तक पारित कर डाले थे। बहरहाल, कांग्रेस जहां भ्रष्टाचार और महंगाई को अपना मुख्य चुनावी मुद्दा बना रही है, तो वहीं भारतीय जनता पार्टी विकास और आरक्षण के अलावा डबल इंजन के लाभ के साथ मैदान में है। हालांकि, भाजपा और कांग्रेस की आर-पार की इस लड़ाई में जनता दल (सेकुलर) क्या रणनीति अपनाती है, यह भी देखने वाली बात है। पिछली बार खंडित जनादेश ने इस प्रदेश को एक लंबे समय तक राजनीतिक अस्थिरता का शिकार बनाए रखा था।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करें

दिनेश सी. शर्मा

नोएडा पुलिस ने हाल ही में एक दवा निर्माता उद्योग के तीन कर्मियों को मिलावटी दवा बनाने और बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी उज़्बेकिस्तान में खांसी की दवा पीने से 18 बच्चों की मौत होने के सिलसिले में थी, जिसका उत्पादन उपरोक्त कंपनी ने किया था। इसके कुछ महीने पहले ही, हरियाणा की एक कंपनी भी ठीक इसी किस्म के विवाद में घिरी थी, जब गाम्बिया नामक देश में 60 से अधिक बच्चे इसकी बनाई खांसी की दवा पीकर मर गए थे, इन दोनों खांसी की दवाओं में जहरीले तत्व पाए गए। गाम्बिया की मौतों का संज्ञान सबसे पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लिया था और इस सप्ताह अमेरिका के दवा नियंत्रण केंद्र ने पुनः पुष्टि की है कि यह मौतें भारत से गई दवा में मौजूद डाइइथाइलिन ग्लाइकॉल (डीईजी) से बच्चों के गुर्दों को पहुंचे गंभीर नुकसान की वजह से हुई हैं। इस पर, संबंधित भारतीय प्रशासनिक प्रतिष्ठान यानी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन, राज्यों के दवा नियंत्रण विभाग और दवा विभाग की प्रतिक्रिया अजीबोगरीब रही। वे उलटा विश्व स्वास्थ्य संगठन और गाम्बिया स्वास्थ्य मंत्रालय के बयानों में छिपे छिद्रों को भुनाने लगे। इन दोनों देशों की कही बातों का संज्ञान लेकर पड़ताल करने की बजाय केंद्रीय प्रशासनिक संगठन ने अपनी एक कमेटी बनाई, जिसने विश्व स्वास्थ्य संगठन पर जानकारी साझा न करने का इल्जाम लगाया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह कहते हुए गाम्बिया पर जिम्मेवारी थोप दी कि बाजार में इस्तेमाल के लिए उतारने से पहले दवाओं की जांच-पड़ताल का जिम्मा आयातक देशों का होता है। इसने यह भी कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 'व्यक्ति से व्यक्ति स्तर पर मौतों के बारे में सटीक अनौपचारिक जानकारी' मुहैया नहीं करवायी। बाद में पता चला कि गाम्बिया ने कुछ बच्चों का शव-परीक्षण किया और उसमें डाइइथाइलिन ग्लाइकॉल पाया गया। इतना काफी न था कि स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, जिनके पास रसायन एवं उर्वरक विभाग भी हैं और जिसके तहत दवा विभाग काम करता है, उन्होंने ऐसे इल्जामों को भारत के दवा उद्योगों की छवि बिगाड़ने की साजिश करार दिया। 24 फरवरी को 100 'साझेदार' देशों के राजनयिकों के साथ हुई बैठक में मांडविया ने पुनः भारतीय दवा कंपनियों द्वारा सिर्फ अच्छी गुणवत्ता की दवाएं बनाने की बात दोहराई। यह बयानबाजी लोगों में अपनी साख बनाए रखने का आभास देती है। 26 फरवरी को हैदराबाद में केंद्रीय एवं राज्य दवा प्रशासन विभागों की कथित बंद-कमरा बैठक में मांडविया ने भारत में दवा निर्माता उद्योग की शोचनीय हालत को कुबूल किया है। उन्होंने माना कि बहुत-सी घटिया दवाएं घरेलू बाजार में प्रचलित हैं। बहुत-सी नकली दवाएं निर्यात भी होती हैं और इनकी वजह से हमारे मुल्क के दवा निर्माता उद्योग पर सवाल उठते हैं। इस तरह के हालातों पर मंत्री ने अधिकारियों से कहा, 'दवा उद्योग बेशक जिम्मेवारी से काम कर रहा है, लेकिन इसकी पालना करना हमारा कर्तव्य है'। जहां तक नियामक तंत्र की बात है, उन्होंने कहा, 'यह चाक-चौबंद नहीं है और राज्य एवं केंद्रीय नियामक के बीच यथेष्ट तालमेल नहीं हैं।' मंत्री के अनुसार, मौजूदा दवा नियामक व्यवस्था, केंद्रीय एवं राज्य प्राधिकरण, केंद्रीय दवा नियामक और दवा विभाग के बीच बंटी हुई है। मांडविया के इस संबोधन का लाइव प्रसारण उनके आधिकारिक यू-ट्यूब चैनल पर लगभग 8 मिनट चलाने के बाद बीच में बंद कर दिया गया और जल्द ही संबंधित सामग्री हटा दी गई। बेशक स्वास्थ्य मंत्रालय ने पब्लिक डोमेन से यह वीडियो हटा दी हो, लेकिन 'बिल्ली थैले से बाहर आ चुकी है।' मांडविया का बयान विशेषज्ञों और सिविल सोसायटी द्वारा लंबे समय से लगाए जा रहे इल्जामों की तस्दीक करता है कि लचर दवा नियामक की वजह से भारतीय बाजार में घटिया, छद्म और नकली दवाएं बिकती हैं। मांडविया का बयान इस बात की भी पुष्टि करता है कि इस किस्म की दवाएं अन्य देशों को निर्यात होती हैं और नागवार घटनाओं की जिम्मेवार हैं, जैसा कि गाम्बिया, उज़्बेकिस्तान और विगत में अन्य कई मामलों मे देखने को मिला। मंत्री का संबोधन यह भी दर्शाता है कि वे चेताने वाले समूहों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के संशयों से सहमत हैं कि कमजोर नियामक व्यवस्था और जिम्मेवारी कई जगह बंटी हुई है और इसको दुरुस्त करने की जरूरत है। यदि मंत्री को पता है कि दवा नियामक का कामकाज इतना खराब है, तब वे खुद या सरकार कुछ करती क्यों नहीं? इसकी बजाय, जब भी गाम्बिया या उज़्बेकिस्तान जैसी घटनाएं होती हैं तो क्योंकर वे सार्वजनिक तौर पर नियामक तंत्र और दवा उद्योग को ढांपने लग जाते हैं? अब जबकि हम जान गए हैं कि वे खुद व्यवस्था के बारे में क्या सोचते हैं तो उन्हें दोहरी बातें करना बंद करना चाहिए क्योंकि दवाओं की खराब गुणवत्ता का सीधा संबंध लोगों की जिंदगी से है। निःसंदेह नियामक तंत्र में सड़न-गलन नई नहीं है। 2012 में, एक संसदीय कमेटी ने केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन के कामकाज की जांच के बाद केंद्रीय और राज्य स्तर पर दवा नियामक विभाग के स्याह पहलू का रहस्योद्घाटन किया था। इसके बावजूद स्थितियां ज्यादा नहीं बदलीं और इस कमेटी की सिफारिशों पर अमल के लिए बनाई उप-समितियों के बावजूद अधिकांश हिदायतें कागज़ों तक रह गईं। एक के बाद एक आई सरकारों ने भी व्यवस्था में सुधार के लिए आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई। वहीं दूसरी ओर, नियामक विभाग को अक्सर दवा कंपनियों की तरक्की और काम-धंधे में आसानी बनाने में अड़ंगा डालने वाले दफ्तर की तरह देखा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हमारा दवा उद्योग व्यापार 4 लाख करोड़ रुपये का है और यह 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की गुंजाइश रखता है। यही ध्येय होना भी चाहिए, लेकिन यह दवा की सुरक्षा, प्रभावशीलता और मानक से समझौता करके न हो, बाजार चाहे घरेलू हो या विदेशी। यदि सरकार का निशाना है कि सबके लिए वहनयोग्य और प्रभावशील दवाइयां उपलब्ध हों, तो इसके लिए मानवीय सोच और तौर-तरीके अपनाने की जरूरत है। आज, बाजार एक ही मॉलिक्यूल के नाना प्रकार के ब्रांडों से पटा पड़ा है, सबकी कीमत और प्रभावशीलता अलग-अलग है। बहुत से अतार्किक युग्म-दवा वाले टोटके भी प्रचलन में हैं। चूंकि सैकड़ों ब्रांड हैं, सो कंपनियां अपने उत्पाद की अनैतिक खरीद बनाने के लिए चिकित्सकों को लुभाती हैं। जब तक कि उचित आपूर्ति श्रृंखला का इंतजाम न हो तब तक कुछ हजार जन-औषधि केंद्र खोलने से अधिक फर्क नहीं पड़ने वाला। ऐसे केंद्र बनाने का मूल विचार रामविलास पासवान का था, जिन्होंने यूपीए सरकार में बतौर रसायन एवं खाद मंत्री रहते हुए वर्ष 2005 में पहली बार यह योजना बनाई थी। इसके तहत जेनेरिक दवाओं की सप्लाई केंद्रीय एवं राज्यों के सार्वजनिक दवा उपक्रमों से की जानी थी। इनमें अधिकांश अब खुद 'बीमारू' हैं या फिर बंद हो चुके हैं। इसलिए, काम कई मोर्चों पर करना होगा, जिसकी शुरुआत नियामक व्यवस्था को प्रभावशील और जिम्मेवार बनाकर हो।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के जानकार हैं।

कैसे बंद हो महिला प्रतिभाओं से खेल

जगमति सांगवान

देश की बेटियों ने पिछले दौर में रियो ओलंपिक व अन्य खेल मुकाबलों में जो शानदार प्रदर्शन किये वह समाज व सरकार को गर्वित करने वाली उपलब्धि थी, जिससे अभिभूत होकर स्वयं प्रधानमंत्री ने भी अपनी सरकार के सूत्र नारे 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' को 'बेटी खिलाओ' तक विस्तृत करने का ऐलान किया था। लड़कियों की इस कामयाबी के बाद होना यह चाहिये था कि देश व राज्यों में नए सिरे से महिला खेल नीतियां बनती जिनमें उनके लिए खेल सुविधाओं का पंचायत स्तर तक विस्तार, पर्याप्त बजट व उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों का प्रावधान होता। सर्वविदित है कि पितृसत्तात्मक समाज में देश की खिलाड़ी मैच खेलते वक्त केवल मुकाबला जनित तनाव को लेकर नहीं बल्कि अपनी सुरक्षा के बोझ को भी कंधों पर लेकर खेल मुकाबलों का कठिन अभ्यास करने को मजबूर हैं। लेकिन उक्त नारे का असर शायद मैदान पर नहीं हुआ। नतीजतन आज कई खेल आइकॉन अपने खेल को दांव पर लगाकर अस्मिता की रक्षा के लिए आवाज उठाने को मजबूर हैं। ऐसा एक मामला तो प्रदेश में एक एथलीट व खेल विभाग में जूनियर कोच द्वारा मंत्री पर उत्पीड़न जैसे आरोपों में एफआईआर दर्ज करवाने का सामने आया। उससे हौसला पाकर बाद में कुश्ती की जानी-मानी खिलाड़ियों ने भी कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पर खिलाड़ियों के उत्पीड़न व भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए जंतर-मंतर पर डटकर उसे पद से हटाने की मांग की। इन दोनों ही मामलों में सरकारों द्वारा पारदर्शी तरीके से आरोपों की जांच करवाने का संकल्प लिये जाने की अपेक्षा स्वाभाविक थी। लेकिन जांच के नाम पर कथित लीपापोती ही सामने आयी। दरअसल, खेलों में उत्पीड़न की गंभीर समस्या है। शिकायतों के चलते कुछेक मामले ही सामने आते हैं क्योंकि शिकायत दर्ज कराने पर पीड़िता का ही और अधिक उत्पीड़न होता है। इस जोखिम वाली स्थिति को बदलते हुए जांच की पद्धति शिकायत करने वाली महिलाओं व लड़कियों के अनुकूल बनानी होगी। उन्हें भरोसा भी दिलाना जरूरी है कि उनके कैरियर पर आंच नहीं आने दी जाएगी। बेहतर है कि न्यायपालिका की निगरानी में कोई जांच पद्धति अपनायी जाये। हाल के प्रकरणों में सत्ता प्रतिष्ठानों का रवैया महिलाओं की खेलों में बढ़ती भागीदारी को प्रोत्साहित करने वाला नहीं कहा जा सकता है। जहां बेटियों का भविष्य सुरक्षित ही नहीं होगा तो अभिभावक वहां अपनी बेटी को कैसे भेजेंगे। जो माता-पिता अपनी बेटियों को खेल के लिए भेज रहे हैं वे इन घटनाक्रमों के चलते चिंताजनक दोराहे पर खड़े हैं। इस पूरे प्रकरण ने खेल प्रेमियों व खेल के लिए काम करने वालों को भी निराश किया है। चूंकि इन केसों में संलिप्त आरोपी ऊंचे पदों पर हैं और संस्थाएं उनका कथित बचाव करती नजर आ रही हैं। दोनों मामलों में पीड़ित महिला खिलाड़ी इस उत्पीड़न को सार्वजनिक न करके पहले दोनों स्तरों पर सत्ता के शीर्ष पर आसीन हस्तियों के पास शिकायत करने गईं। वहां से जब अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली तभी उन्होंने मजबूरीवश एफआईआर करवाने व धरने का रास्ता अख्तियार किया। शिकायत दर्ज होने पर भी पहला कदम आरोपियों को उनके पदों से हटाना व भरोसेमंद तरीके से प्रकरण की जांच करवाना होना चाहिये। क्योंकि उक्त मामलों में आरोप 'पोजीशन ऑफ पॉवर' से किए गए अपराध हैं। जांच के समय तक पद पर रहते जांच को प्रभावित करने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। पीड़िताओं के आरोपों के मुताबिक वही

हुआ भी है, दोनों ही जगह शिकायतकर्ताओं को जान से मारने की धमकियां मिली हैं। पीड़ित जूनियर कोच ने लिखित शिकायत दी कि देश छोड़कर जाने के लिए करोड़ों रुपए ऑफर किए गए और मंजूर नहीं करने पर परेशान किया जा रहा है। मामले में सवाल ये भी उठे कि प्रदेश पुलिस के शीर्ष अधिकारी द्वारा शिकायत पर एसआईटी गठित कर दी गई, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक नहीं किया गया। वहीं जांच टीम ने लगातार शिकायतकर्ता व उसके पिता के खिलाफ अनर्गल प्रचार किया। मामले में तंत्र द्वारा उठाए गए भरोसा तोड़ने वाले इन सभी कदमों की सामाजिक-राजनीतिक प्रतिक्रिया हुई। अनेक जगहों पर आरोपियों को पद से हटाने की मांग के साथ धरना, प्रदर्शन हुए हैं। उधर विपक्ष ने भी विधानसभा में मंत्री को हटाने की मांग उठाई। दूसरी तरफ कुश्ती खिलाड़ियों की शिकायत से निपटने के लिए बनाई गई कमेटी के 'टर्म्स आफ रेफरेंस' कभी सार्वजनिक नहीं किए गए। मामले में सिस्टम की कार्यप्रणाली के चलते पूरा वातावरण संदिग्ध बना हुआ है। जाहिर है इसके प्रभाव महिलाओं की खेलों में भागीदारी पर नकारात्मक ही होंगे। हमें समझना चाहिए कि खेलकूद अपने आप में लैंगिक भेदभाव दूर कर महिलाओं के आत्मविश्वास को बहाल करने वाली गतिविधि है। निःसंदेह इन्हीं खिलाड़ियों में से ब्राजील की फुटबॉल खिलाड़ी 'मार्ता' जैसी खिलाड़ी निकलेंगी जिन्होंने फुटबॉल वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड बनाने पर (जून 2019) कहा था कि 'यह रिकॉर्ड बनाने वाला गोल उन लोगों को समर्पित है जो इस दुनिया को ज्यादा से ज्यादा समतामूलक बनाने के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं'। इसलिए यहां से महिला खिलाड़ियों के लिए बैकवर्ड नहीं, फॉरवर्ड मार्च का सबक निकलना जरूरी है।

विचार मंथन

अडानी की कंपनियों में मोदी का पैसा?

(लेखक-सनत जैन/ईएमएस)

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में सनसनीखेज आरोप लगाए हैं! इस तरह के आरोप आज तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगाने की हिम्मत अन्य किसी की नहीं हुई! केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा के अंदर भाजपा के एक वरिष्ठ नेता का उल्लेख करते हुए,कहा कि अडानी की कंपनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पैसा लगा हुआ है! गौतम अडानी केवल फंड मैनेजर हैं! उन्हें 10 से 20 फ़ीसदी का कमीशन मिलता है! केजरीवाल ने सदन में यह भी कहा कि इजराइल, बांग्लादेश, श्रीलंका इत्यादि देशों में जो ठेके अडानी की कंपनी को मिले हैं! वह एक तरह से मोदी की कंपनी को मिले हैं। अरविंद केजरीवाल ने सदन के अंदर बोलते हुए कहा, कि अडानी की कंपनियों में यदि अडानी का पैसा लगा होता। तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कभी इस तरीके से अडानी का बचाव नहीं करते। जैसा बचाव वह गौतम अडानी का कर रहे हैं। भारतीय बैंकों एलआईसी और प्रोविडेंट फंड का पैसा कभी अडानी की कंपनियों में नहीं लगाते। केजरीवाल ने भाजपा के बड़े नेता का जिक्र करते (उनका नाम नहीं बताया) हुए कहा, कि मोदी जी कभी किसी की मदद नहीं करते हैं। उन्होंने अपनी पत्नी को छोड़ दिया। भाइयों को छोड़ दिया। वह किसके लिए भ्रष्टाचार करेंगे। यह एक मिथक फैलाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा और सत्ता को सबसे ऊपर रखते हैं। केजरीवाल ने कहा सबसे बड़े पूंजीपतियों की सूची में अडानी तीसरे नंबर पर नहीं पहुंचे थे। बल्कि मोदी दुनिया के तीसरे नंबर के अमीर बन गए थे। वह पहले नंबर की दौड़ में जाने के लिए लगे हुए थे। केजरीवाल ने यह भी कह दिया टाटा बिड़ला और अंबानी को पैसे की कोई कमी नहीं है। लेकिन दुनिया का सबसे बड़ा धनवान बनना सभी का शगल होता है। मोदी जी का भी यही शगल है। केजरीवाल यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा मोदी जी के पैसे कमाने के तरीके को समझो। भारत के सभी पावर प्लांट को 10 फ़ीसदी विदेशी कोयला लेने के लिए कहा गया। जो भारत के कोयले से 10 गुना ज्यादा महंगा है। एयरपोर्ट,कोल खदाने, पोर्ट, सभी किस्म की सरकारी संपत्तियों और ठेके इत्यादि का एकाधिकार अडानी की कंपनियों को देकर, दोनों हाथों से मोदी, देश को लूट रहे हैं। उन्होंने कहा 65 सालों में भारत ने 55 लाख करोड़ रुपए का विदेशी ऋण लिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने 7 साल में 85 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का विदेशी कर्ज ले लिया। कांग्रेस और अन्य सरकारों ने 65 साल में जो लूट नहीं की। वह 7 सालों में प्रधानमंत्री मोदी ने देश में की है। अडानी का दिमाग है,पैसा मोदी का है। इसलिए वह अपने आप को बचाने के लिए अडानी को बचा रहे हैं।

बहरहाल जिस तरीके से अरविंद केजरीवाल ने सदन के अंदर प्रधानमंत्री के ऊपर जो आरोप लगाए हैं। वह बहुत गंभीर हैं। अरविंद केजरीवाल राजनीति में आने के पूर्व भारत सरकार के आईआरएस अधिकारी थे। उन्हें नियम और कानून की जानकारी है। टेक्स बचाने और हवाला कारोबार के लिए किस तरह का गोलमाल होता है। इसकी उन्हें जानकारी है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बार जिस तरह से अडानी के हवाला कारोबार प्रमाणिक

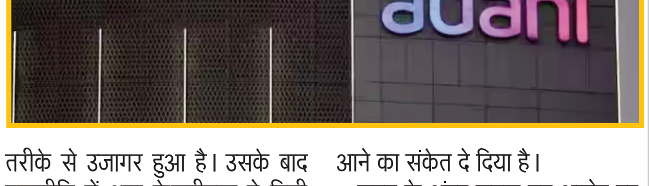

तरीके से उजागर हुआ है। उसके बाद राजनीति में आए केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा के सदन में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा विपक्ष की जेपीसी मांग नहीं मानने पर उन्होंने शक की सुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर मोड़ दी है। जिस तरह केजरीवाल 56 इंच के सीने का 56 इंच के सीने से आरोप लगाया है। उसने भारतीय राजनीति में बड़ा तूफान आने का संकेत दे दिया है।

सदन के अंदर लगाए गए आरोप पर मानहानि का मुकदमा भी केजरीवाल पर नहीं चल सकता है। अपराधिक प्रकरण भी केजरीवाल पर दायर नहीं हो सकता है। अब देखना यह है,कि केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर आरोप लगाकर जो जोखिम लिया है। उसकी परिणति किस रूप में होगी।

अगले महीने कई गाड़ियां होगी लांच

-मारुति से लेकर मर्सिडीज़ तक की गाड़ियां शामिल

नई दिल्ली ।

आगामी अप्रैल महीने में मारुति से लेकर मर्सिडीज़ तक की कंपनियां अपनी गाड़ियां लॉन्च करने वाली हैं। मारुति फ्रोंक्स मारूति सुजुकी ने ऑटो एक्सपो 2023 में मारुति फ्रोंक्स को अनवील किया था। यह कंपनी के मौजूदा मॉडल बलेनो पर आधारित होगा। कंपनी ने अबतक इसके लिए 13000 से ज्यादा बुकिंग्स हासिल कर ली हैं। फिलहाल इसकी लॉन्च डेट को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नही आई है, लेकिन इसे अप्रैल मिड में लॉन्च किया जा सकता है। एमजी कामेट ईवी एमजी की कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी। कॉमेट ईवी पापुलर चाइनीज़ ईवी मॉडल एयर पर आधारित होगी। कार निर्माता द्वारा इलेक्ट्रिक सेगमेंट में पेश किया जाने वाला दूसरा इलेक्ट्रिक मॉडल होगा, जिसे अप्रैल में लॉन्च किए जाने का अनुमान है। लैंबोर्डगिनी उरस एस 13 अप्रैल को भारतीय बाज़ार में एंट्री करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। वर्तमान में यह कार ग्लोबल मार्केट में उपलब्ध है। मर्सडीज एएमजी जीटी 63 ई परफार्मेंस मर्सडीज भारत में अगले महीने एएमजी जीटी 63 ई परफार्मेंस को लॉन्च करने वाली है। यह कार स्पीड और परफार्मेंस पसंद लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगी। इसमें 4.0 लीटर वी8 ट्र्बो इंजन के साथ इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है। यह इंजन 843 बीएचपी की पावर और 14,00 एनएम टॉर्क जेनरट करेगा। वही इससे केवल 2.9 सेकेंड में 0से 100 किमी की स्पीड हासिल की जा सकती है।

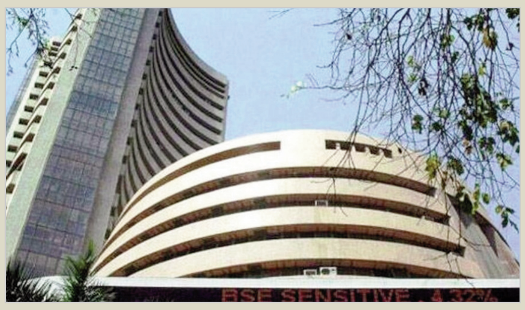

अप्रैल में तीन दिन बंद रहेंगे शेयर बाजार

मुंबई । अगले महीने अप्रैल में तीन दिन शेयर बाजार में कारोबार नहीं होगा। 4 अप्रैल, 7 अप्रैल और 14 अप्रैल को शेयर बाजार में तीन अवकाश रहेंगे। अप्रैल 2023 में शेयर बाजार की छुट्टियों की सूची के अनुसार बीएसई और एनएसई में ट्रेडिंग 4 अप्रैल 2023 को महावीर जयंती के लिए निलंबित रहेगी। 7 अप्रैल 2023 को गुड फ्राइडे के लिए शेयर बाजार बंद रहेगा, जबकि 14 अप्रैल 2023 को डॉ बाबा साहेब अंबेडकर जयंती के लिए शेयर बाजार बंद रहेगा।

देश की आर्थिक वृद्धि दर 2023-24 में 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमानः सीईए

नई दिल्ली । मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि वित्तीय और निवेश चक्र में बदलाव के साथ देश की आर्थिक वृद्धि दर आगामी दशक में 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नागेश्वरन ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता को देखते हुए निर्यात में वृद्धि मात्रा के स्तर पर नरम रह सकती है। उन्होंने कहा` कि इसीलिए मुझे लगता है कि वाणिज्यिक क्षेत्र और रियल एस्टेट क्षेत्र में वित्तीय, कर्ज और निवेश चक्र बहाल होने के साथ वृद्धि दर आगामी दशक में साढ़े छह प्रतिशत रह सकती है। एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 4.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह एक साल पहले इसी तिमाही में 11.2 प्रतिशत और पिछली तिमाही में 6.3 प्रतिशत रही थी। वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा में आर्थिक वृद्धि दर एक अप्रैल से शुरू वित्त वर्ष 2023-24 में 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में सात प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान जताया है।

सरकार का बाजार से 8.88 लाख करोड़ जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने कहा कि सरकार आर्थिक वृद्धि को गति देने को लेकर राजस्व अंतर को पूरा करने के लिए 2023-24 की पहली छमाही में कर्ज के जरिये 8.88 लाख करोड़ रुपए जुटाने पर विचार कर रही है। आधिकारिक बयान के अनुसार एक अप्रैल, 2023 से शुरू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल 15.43 लाख करोड़ रुपए की अनुमानित बाजार उधारी में से 8.88 लाख करोड़ रुपए पहली छमाही में जुटाने की योजना है। उधारी कार्यक्रम 26 साप्ताहिक किस्तों में पूरा करने की योजना है। इसके तहत 31,000 से 39,000 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे। उधारी तीन, पांच, सात, 10, 14, 30 और 40 साल की प्रतिभूतियों के जरिये जुटाई जाएगी।

सेबी प्रमुख ने अडाणी मुद्दे पर टिप्पणी करने से किया इनकार

मुंबई । सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने अडाणी मुद्दे पर टिप्पणी से इनकार करते हुए कहा कि यह मामला अभी अदालत में है। अमेरिकी की वित्तीय शोध और निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की जनवरी में रिपोर्ट आने के बाद से अडाणी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई है। इनमें से कुछ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 85 प्रतिशत से अधिक घट गया है।रिपोर्ट में समूह पर खातों में गड़बड़ी और शेयरों के भाव में हेराफेरी का आरोप लगाया गया है। हालांकि, अडाणी समूह ने इन आरोपों को खारिज किया है। उच्चतम न्यायालय ने दो मार्च को अडाणी मामले में छह सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। शीर्ष अदालत ने बाजार नियामक से इस बात की जांच करने को भी कहा है कि क्या इस मामले में सेबी के नियमों का उल्लंघन हुआ और क्या शेयर कीमतों में हेरफेर किया गया। बुच ने सेबी के निदेशक मंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं के सवाल पर कहा` कि हम नीति के तहत किसी इकाई विशेष पर टिप्पणी नहीं करते। इसके अलावा यह मामला उच्चतम न्यायालय में है। हम न्यायालय में लंबित मामलों पर टिप्पणी नहीं करते।

जी इंटरटेनमेंट ने इंडसइंड बैंक के साथ विवादों का निपटारा किया

मुंबई । राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने 24 फरवरी को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष इंडसइंड बैंक द्वारा दायर एक याचिका पर जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) के खिलाफ शुरू की गई दिवाला कार्यवाही पर रोक लगा दी। जी एंटरटेनमेंट ने कहा कि उसने इंडसइंड बैंक के साथ एक समझौता किया है, जिसका मकसद दोनों पक्षों के बीच सभी विवादों और दावों को निपटाना है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी)ने 24 फरवरी को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष इंडसइंड बैंक द्वारा दायर एक याचिका पर जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) के खिलाफ शुरू की गई दिवाला कार्यवाही पर रोक लगा दी। एक नियामकीय सूचना में जेडईईएल ने कहा` कि कंपनी और इंडसइंड बैंक ने एक समझौता किया है जिसके द्वारा कंपनी और इंडसइंड बैंक के बीच सभी विवादों और दावों का निपटारा कर लिया गया है। पिछले साल फरवरी में इंडसइंड बैंक ने ज़ीईईएल के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने के लिए एनसीएलटी की मुंबई पीठ के समक्ष एक याचिका दायर की थी जिसमें दावा किया गया था कि इस मीडिया और मनोरंजन फर्म ने 83.08 करोड़ रुपए की चूक की थी। एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने याचिका को स्वीकार कर लिया था और संजीव कुमार जालान को इस मामले में अंतरिम समाधान पेशेवर नियुक्त किया था। बाद में, जेडईईएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक पुनीत गोयनका ने एनसीएलटी के आदेश को चुनौती देते हुए अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी का रुख किया था। एनसीएलएटी ने कार्यवाही पर रोक लगा दी है। यह मामला एस्सेल ग्रुप की मल्टीसिस्टम ऑपरेटर इकाई सिटी नेटवर्क्स द्वारा भुगतान में चूक से संबंधित है। जेडईईएल सिटी नेटवर्क्स द्वारा लिए गए ऋणों का गारंटर था।

कच्चे तेल में नरमी, कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बदलीं

- ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 78.24 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतों में गुरुवार को थोड़ी नरमी दिख रही और ब्रेंट क्रूड का भाव 78 डॉलर के आसपास पहुंच गया है। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से गुरुवार सुबह जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। नोएडा में पेट्रोल-डीजल सस्ता हुआ, जबकि गाजियाबाद और लखनऊ में तेल के खुदरा दाम बढ़ गए हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) में पेट्रोल 28 पैसे सस्ता होकर 96.64 रुपए लीटर हो गया, जबकि डीजल 26 पैसे गिरकर 89.82 रुपए लीटर बिक रहा है। गाजियाबाद में पेट्रोल 32 पैसे महंगा हुआ और 96.58 रुपए लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 30 पैसे चढ़कर 89.75 रुपए लीटर बिक रहा है। लखनऊ में पेट्रोल 14 पैसे महंगा हुआ और 96.57 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 13 पैसे चढ़कर 89.76 रुपए लीटर हो गया है।

कच्चे चे तेल में बीते 24 घंटे में गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 78.24 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भी गिरकर 72.92 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। नोएडा में पेट्रोल 96.64 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

एफडी पर नौ फीसदी से ज्यादा ब्याज दे रहे तीन बैंक

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले साल मई के बाद से रेपो रेट में 2.5 प्रे तिशत बढ़ाई है। इसके बाद से ज्यादातर बैंक लगातार अपने फिक्स्ड डिपॉजिट्स (एफडी) के ब्याज दर में बढ़ोतरी कर रहे हैं। कुछ बैंक मौजूदा समय में चुनिंदा अवधि के फिक्स्ड डिपॉजिट्स पर 9 फीसदी से ज्यादा का ब्याज दे रहे हैं। यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 2 करोड़ रुपए से कम के फिक्स्ड डिपॉजिट्स पर 15 फरवरी 2023 को ब्याज दर में बदलाव` किया है। बैंक 1001 दिन के डिपॉजिट पर अधिकतम 9.50 फीसदी का ब्याज दे रहा है। बैंक यह ब्याज सीनियर सिटीजन्स को दे रहा है। वहीं आम लोगों को इतनी अवधि के डिपॉजिट पर 9 फीसदी का ब्याज मिल रहा है। यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक 181-201 दिन और 501 दिन के फिक्स्ड डिपॉजिट्स पर आम लोगों को 8.75 फीसदी और सीनियर सिटीजन्स को 9.25 फीसदी का ब्याज दे रहा है। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 27 फरवरी 2023 को 2 करोड़ रुपए से कम के फिक्स्ड पॉजिट्स पर ब्याज दरें बढ़ाई हैं। उत्कर्ष बैंक 700 दिन के फिक्स्ड डिपॉजिट पर सीनियर सिटीजन्स को 9 पर्सेंट का ब्याज दे रहा है। वहीं आम लोगों को इतने दिन के फिक्स्ड डिपॉजिट पर बैंक 8.25 फीसदी का ब्याज दे रहा है। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 24 मार्च 2023 को 2 करोड़ रुपए से कम के फिक्स्ड डिपॉजिट्स पर ब्याज

दर बढ़ाए हैं। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की 1000 दिन वाली फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम में सीनियर सिटीजन्स को 9.01 फीसदी का ब्याज मिल रहा है। वहीं सामान्य ग्राहकों को 8.41 फीसदी का ब्याज दिया जा रहा है।

इस साल सभी क्षेत्रों में घट सकती है औसत वेतनवृद्धि

मुंबई । मुद्रास्फीति, ऊंची ब्याज दरों और अर्थव्यवस्था में सुस्ती के कारण इस साल लगभग सभी क्षेत्रों में औसत वेतनवृद्धि घटकर 9.1 प्रतिशत रहने की संभावना है। एक अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है। एक परामर्श कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार वेतन में औसत वृद्धि पिछले साल 2022 में 9.4 प्रतिशत थी। यह अध्ययन जनवरी, 2023 में सात क्षेत्रों और 25 उप-क्षेत्रों में 300 संगठनों के बीच किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। अध्ययन में पाया गया कि वास्तविक वेतनवृद्धि पिछले साल की तुलना में 2023 में लगभग सभी क्षेत्रों में कम रहने की संभावना है। इसके अनुसार, जीवन विज्ञान क्षेत्र में पिछले साल की तुलना में इस साल उच्चतम वेतन वृद्धि होने की उम्मीद है जबकि इस दौरान सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में वेतनवृद्धि में बड़ी गिरावट आने की संभावना है। अध्ययन में कहा गया है कि इसके अतिरिक्त देश में कर्मचारियों की नौकरी छोड़ने की दर 2022 में 19.7 प्रतिशत पर पहुंच गई जबकि 2021 में यह 19.4 प्रतिशत थी।

सरकार ने दाल आयातकों से भंडार की जानकारी देने का कहा

नई दिल्ली ।

सरकार ने दाल आयातकों से पारदर्शी तरीके से नियमित आधार पर दालों का भंडार के बारे में जानकारी देने को कहा है। साथ ही अनाज की जमाखोरी नहीं करने को कहा है। घरेलू बाजार में दाल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह निर्देश दिया गया है। धिकारिक बयान के अनुसार उपभोक्ता मामलों के विभाग के सचिव रोहित कुमार सिंह ने दाल के बड़े आयातकों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि जो भी उनके पास भंडार हैं, उसके बारे में नियमित आधार पर और पारदर्शी तरीके से जानकारी दें। उन्हें सलाह दी गई कि वे दाल की ऐसी कोई जमाखोरी नहीं करें जिससे घरेलू बाजार में दालों की उपलब्धता बाधित हो। इस बीच अतिरिक्त सचिव निधि खरे की अध्यक्षता वाली समिति ने सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बैठक की। बैठक में उनसे उनसे अनुरोध किया गया कि वे भंडार की घोषणा से जुड़े पोर्टल पर इकाइयों की संख्या बढ़ाने के लिए सभी स्रोतों की संभावना टटोले। इसमें कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी) पंजीकृत दाल कारोबारी और जीएसटी पंजीकृत कारोबारी शामिल हैं। घोषित भंडार के सत्यापन के लिए राज्यों से यह भी

अनुरोध किया गया था कि वे गोदाम की सुविधा उपलब्ध कराने वाले सार्वजनिक और निजी दोनों तरह के सेवा प्रदाताओं से जानकारी प्राप्त करें।

एयरबस के विमानों में लगेंगे भारत में ही बने दरवाजे

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड को मिला ठेका

नई दिल्ली ।

एयरबस के विमानों में अब भारत में बने हुए दरवाजे लगेंगे। ऐसा पहली बार होने जा रहा है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) हैदराबाद स्थित अपने संयंत्र में ए320 नियो विमान के कार्गो और बल्क कार्गो दरवाजों का निर्माण करेगी। एयरबस ने ए320` नियो विमान के कार्गो और बल्क कार्गो दरवाजों के निर्माण के लिए टीएएसएल को एक ठेका दिया है। कंपनी की ओर से बताया गया है कि एयरलाइन मार्केट में एयरबस को और आगे बढ़ाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। टीएएसएल अत्याधुनिक रोबोटिक्स और ऑटोमेशन तकनीक का इस्तेमाल करके हैदराबाद में इन दरवाजों का निर्माण करेगी। प्रत्येक शिपसेट में दो कार्गो दरवाजे और एक बल्क कार्गो दरवाजे शामिल होंगे। हैदराबाद में ओलिवियर कॉक्विल, एसवीपी एयरोस्ट्रक्चर प्रोक्योरमेंट, एयरबस और मसूद हुसैनी, वीपी और एचओ एयरोस्ट्रक्चर व एयरो-इंजन, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड द्वारा अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। गौरतलब है कि फ्रांस की कंपनी एयरबस की स्थापना 1970 में हुई थी। एयरबस के यूरोपीय संघ के चार देशों- जर्मनी, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम और स्पेन, के सोलह स्थानों पर करीब 57 हजार कर्मचारी काम करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एयरबस के प्रमुख लोगों में सीईओ थॉमस एंडर्स, सीएफओ हेराल्ड विल्हेम, मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी जॉन लेही और सीओओ फैब्रिस ब्रेगियर शामिल हैं। बीते दिनों एयरबस ने लगातार चौथे साल बोइंग से आगे दुनिया के सबसे बड़े विमान निर्माता के रूप में अपना ताज बरकरार रखा था। साल 2022 में एयरबस ने 1,078 जेट ऑर्डर के बाद नए विमान ऑर्डर और डिलीवरी के मामले में प्रमुख रही है। एयरबस ने पिछले साल 661 विमान सौंपे, जो 2021 की तुलना में 8 प्रतिशत अधिक है। जबकि बोइंग ने 480 विमान दिए गए हैं।

दुनिया की सबसे महंगी सब्जी हॉप शूट्स, 1 किलो की कीमत 85,000 रुपए

- यूरोप और उत्तरी अमेरिका में की जाती है हॉप शूट्स की खेती

नई दिल्ली ।

दुनिया की सबसे कीमती सब्जी हॉप शूट्स है, जिसकी कीमत सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। 1 किलो हॉप शूट्स खरीदने में आपको जितने पैसे देने पड़ेंगे उतने में 15 ग्राम सोना खरीद सकते हैं। 1 किलो हॉप शूट्स की कीमत 85,000 रुपए है। इसलिए इस सबे जी को खरीदना आम आदमी के बस का काम नहीं है। अमेरिका और यूरोप में होने वाला होप शूट्स को उगाना, तैयार करना और तोड़ना काफी मेहनत वाला और मुश्किल काम है। यही कारण है कि इसकी कीमत बहुत ज्यादा है। भारत में हॉप शूट्स की खेती नहीं होती है। हिमाचल में इसे पैदा करने की कोशिश की गई थी, परंतु सफलता नहीं मिली। इस सब्जी में अनेकों औषधीय गुण हैं। हॉप शूट्स के फूल को हॉप कोन्स कहते हैं। इसके फूल का उपयोग बीयर बनाने में होता है, जबकि टहनियों और पत्तों की सब्जी बनाई जाती। यह सब्जी एक बारहमासी पर्वतीय पौधा है। यूरोप और उत्तरी अमेरिका के मूल निवासी इसे पहले खरपतवार मानते थे। बाद में इसके गुणों को देखकर उन्होंने इसकी खेती शुरू कर दी है।

इसका वैज्ञानिक नाम हेमूलस लूपूलस है। यह हेम्प परिवार के कैनाबेसी पौधे की एक प्रजाति है। यह मध्यम गति से 6 मीटर (19 फीट 8 इंच) तक बढ़ सकता है और 20 साल तक जीवित रह सकता है। हॉप शूट्स के इतने महंगे होने का कारण यह है कि एक तो इसे उगाने के लिए खास जलवायु की जरूरत होती है. इसलिए इसे हर जगह नहीं उगाया जा सकता। दूसरा हॉप शूट्स का पौधा तीसरे साल उत्पादन देता है। हॉप के पौधे के लगाने और इस रखरखाव पर बहुत पैसा खर्च होता है। इसके पत्तों और फूल की तोड़ाई बहुत सावधधानीपूर्वक की जाती है और इसमें बहुत मेहनत लगती है। एक रिपोर्ट के अनुसार हॉप शूट्स का फिलहाल वैश्विक कारोबार 8.1 बिलियन डॉलर है। हॉप शूट्स का बाजार सालाना 4.6 फीसदी सीएजीआर से बढ़ रहा है। साल 2030 तक इसके 15.1 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

मारुति सुजुकी ने किया 25 लाख वाहनों के निर्यात का आंकड़ा पार

नई दिल्ली ।

वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने कहा कि 80 के दशक में वाहनों का निर्यात शुरू करने के बाद से उसने संचयी निर्यात का 25 लाख इकाई का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने निर्यात की शुरुआत 1986-87 में बांग्लादेश और नेपाल जैसे पड़ोसी बाजारों से की थी। मौजूदा समय में यह करीब 100 देशों में वाहनों का निर्यात करती है जिनमें अफ्रीका, लातिन अमेरिका, एशिया और पश्चिम एशिया शामिल हैं। मारुति सुजुकी ने कहा कि निर्यात किया गया उसका 25 लाख वां वाहन मारुति सुजुकी बलेनो है जिसे गुजरात के मुद्रा बंदरगाह से लातिन अमेरिका भेजा गया। मारुति के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा 25 लाख वें वाहन का निर्यात भारत की विनिर्माण क्षमता की बानगी है। यह उपलब्धि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी मेक इन इंडिया पहल के प्रति मारुति सुजुकी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि आज मारुति सुजुकी भारत की यात्री वाहनों की सबसे बड़ी निर्यातक कंपनी है।

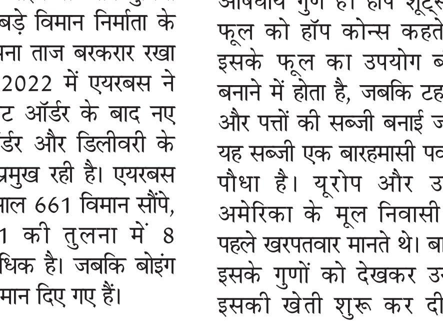

गुजरात टाइटंस और सीएसके के बीच मुकाबले से होगी आईपीएल के 16 वें सत्र की शुरुआत

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र की शुरुआत शुक्रवार को शाम सात बजे से यहां के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच होने वाले मुकाबले से होगी। इस मैच में दोनो ही टीम जीत के इरादे से उतरेंगी। टाइटंस को हालांकि इस मैच में घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के होने से उनकी टीम सीएसके को भी दर्शकों का भरपूर समर्थन मिलेगा। ऐसे में प्रशंसकों को रोमांचक खेल देखने को मिलेगा। इस बार दोनो ही टीमें बदली सी नजर आएंगी क्योंकि नीलामी में कई खिलाड़ी बदले हैं। ऐसे में दोनों टीमों की अंतिम ग्यारह कैसी होगी यह देखने का सभी को इंतजार रहेगा।

पहले ही मैच में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। वहीं पिछले आईपीएल की बात करें तो दो बार इन टीमों का मुकाबला हुआ है। इसमें दोनों ही बार गुजरात ने चेन्नई को हराया है। गुजरात ने पहले मैच में चेन्नई को 3 विकेट से जबकि दूसरे मैच में 7 विकेट से हराया था। दोनों के बीच पहला मैच पुणे और दूसरा मुंबई में खेला गया था।

पुणे में टाइटंस को आक्रामक बल्लेबाज डेविड मिलर ने जीत दिलाई थी, जिन्होंने तब 51 गेंदों में 8 चौके और 6 छक्कों की मदद से नाबाद 94 रन बनाये थे। वहीं मुम्मई में खेले गये मैच में टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज़ रिद्धिमान साहा ने हुए 57 गेंदों में 8 चौके और 1 छक्का लगाकर नाबाद 67 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाया थी।

दूसरी ओर सीएसके इस बार पिछली गलतियों से सबक लेते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेगी। उसके पास कई बड़े खिलाड़ी हैं ऐसे में उसके लिए जीत दर्ज करना कठिन नहीं है। टीम की सबसे बड़ी ताकत उसके कप्तान धोनी। गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या को स्थानीय खिलाड़ी होने का लाभ मिलेगा। पांड्या ने पिछले कुछ में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है जिसके बल पर वह सीएसके को कड़ी टक्कर देना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

गुजरात टाइटंस – हार्दिक पांड्या (कप्तान), शुभमन गिल, मैथ्यू वेड (विकेटकीपर), केन विलियमसन, अभिनव मनोहर, राहुल तेवतिया, ओडियन स्मिथ, राशिद खान, शिवम मावी, यश दयाल और मोहम्मद शमी.

चेन्नई सुपरकिंग्स – एमएस धोनी (कप्तान), डेवोन कॉनवे, ऋतुराज गायकवाड़, मोइन अली, शिवम दूबे, अंबाती रायडू, बेन स्टोक्स, रवींद्र जडेजा, , दीपक चाहर, मुकेश चौधरी, महेश तीक्षणा।

पीवी सिंधू , श्रीकांत मैड्रिड मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

मैड्रिड (अल्बानिया) (एजेंसी)। भारतीय खिलाड़ी पीवी सिंधू और किदांबी श्रीकांत गुरुवार को यहां अपने-अपने मुकाबलों को सीधे गेम में जीत कर मैड्रिड स्पेन मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू इस साल पहली बार किसी टूर्नामेंट के अंतिम आठ में पहुंची। उन्होंने महिला एकल के आधे घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वारदानी को 21-16 21-14 से मात दी।

विश्व रैंकिंग में 21वें स्थान पर काबिज श्रीकांत ने दूसरे दौर के मैच में 49वीं रैंकिंग के खिलाड़ी हमवतन बी साई प्रणीत को 21-15, 21-12 से हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त 27 साल की सिंधू चोट से वापसी के बाद लय हासिल करने के लिए जूझ रही है। वह 2023 में पहली बार दूसरे दौर की बाधा को पार करने में सफल रही। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण नवंबर 2016 के बाद पहली बार रैंकिंग में शीर्ष 10 खिलाड़ियों की सूची से बाहर होने वाली सिंधू के सामने अंतिम आठ में डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट की चुनौती होगी।

पुरुष एकल में श्रीकांत के सामने क्वार्टर फाइनल में पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी जापान के केंटा निशिमोतो की कड़ी चुनौती होगी। निशिमोतो को दूसरे दौर के मैच में फ्रांस के अर्नोद मर्केल ने वाकओवर दे दिया। किरण जॉर्ज और प्रियांशु राजावत दूसरे दौर में हारकर पुरुष एकल स्पर्धा से बाहर हो गए। जॉर्ज को डेनमार्क के मैग्नस जोहानसेन ने 31 मिनट में 17-21 12-21 से हराया जबकि राजावत को फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव ने 14-21 15-21 से हराया।

धोनी के लिए भाग्याशाली रहेगा सात नंबर !

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग का 16 वां सत्र शुक्रवार से शुरु हो रहा है। इस सत्र को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम और उसके कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के लिए भाग्यशाली माना जा रहा है। इसका कारण यह है कि धोनी के लिए 7 नंबर भाग्यशाली रहा है। उनका जन्म 7 जुलाई को हुआ था। धोनी की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जर्सी का नंबर भी 7 ही था। अब इसी नंबर को लेकर अनुमान लगाये जा रहे हैं कि आईपीएल 2023 का सत्र धोनी के लिए अच्छा रहने वाला है। 7 नंबर को लेकर एक प्रोमो भी आया है।

इस वीडियो में सबसे पहले साल 2023 के बारे में बताया है, अगर इन सभी संख्या को जोड़ें तो नंबर 7 बनता है। वहीं आईपीएल का यह 16वां सीजन है और इस संख्या का जोड़ भी 7 ही है। इसके अलावा सीएसके अपना पहला मुकाबला गत

चैंपियन गुजरात टाइटंस के खिलाफ 31 मार्च को खेलेगी। मार्च साल का तीसरा महीने होता है ऐसे में तारीख और महीने का जोड़ भी 7 बनता है।

वहीं धोनी दो साल बाद अपने घरेलू मैदान चेपॉक में पहला मैच 3 अप्रैल को खेलेंगे। अप्रैल साल का चौथा महीना है और तारीख व महीने की संख्या का योग यहां भी 7 बैठता है। इन सभी कारणों की वजर से धोनी के लिए यह सत्र विशेष माना जा रहा है हालांकि ये कितना ठीक होता है ये तो समय ही बतायेगा।

प्रशंसकों की उम्मीदों को अपने पर हावी नहीं होने देता : रोहित

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सबसे सफल टीम मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह प्रशंसकों की उम्मीदों से किसी प्रकार का दबाव महसूस नहीं करते। रोहित ने कहा कि पहले की तरह ही इस बार भी उनकी टीम खिताब की प्रबल दावेदार है पर वह युवा खिलाड़ियों पर किसी प्रकार का दबाव नहीं बनाते हैं। उन्होंने कहा कि कि मेरा लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को प्रशंसकों की अपेक्षाओं से बचाना रहता है जो टीम के साथ जुड़ी रहती है। रोहित ने कहा, ''जब भी आप खेलने के लिए उतरते हैं तो हमेशा आपसे उम्मीदें होती हैं पर इतने वर्षों तक खेलने के बाद मैं इससे परेशान नहीं होता और मैं इसे लेकर चिंतित नहीं हूं कि लोग मेरे से क्या चाहते हैं।''

उन्होंने कहा, ''हमें पता है कि हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके ट्रॉफी जीतनी होगी पर हमेशा इसके बारे में सोचने से आपके ऊपर बेवजह का दबाव बनता है।'' डेवाल्ड ब्रेविस और तिलक वर्मा अपना दूसरा आईपीएल खेलेंगे जबकि ऑस्ट्रेलिया के युवा ऑलरांडर कैमरून ग्रीन पहली बार इस लीग में खेलते हुए नजर आएंगे। रोहित ने कहा, ''मैं अभी इन युवा खिलाड़ियों पर अधिक दबाव नहीं डालना चाहता। जब हमारा पहला मैच करीब होगा तो हम उन्हें विशिष्ट भूमिकाएं देंगे। बेशक पहले मैच से पूर्व खिलाड़ियों को पता है कि हमारी उनसे क्या उम्मीदें हैं।''

रोहित ने टीम के नए खिलाड़ियों से कहा कि वे इस मंच को घरेलू क्रिकेट के तौर पर ही देखें और वही करें जिसने उन्हें वहां सफलता दिलाई है। उन्होंने कहा, ''मैं उन्हें यह बताने का प्रयास करूंगा कि जिस प्रकार उन्होंने प्रथम श्रेणी या क्लब क्रिकेट में किया है उसी प्रकार का प्रदर्शन करने का प्रयास करें। मुझे पता है कि आईपीएल बिल्कुल अलग है लेकिन

मैं उन्हें उसकी मानसिकता के साथ खेलने के लिए कहूंगा। आखिर यह गेंद और बल्ले के बीच मुकाबला ही है।'' रोहित ने कहा कि टीम को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी पर टीम के पास जोफ्रा आर्चर जैसा गेंदबाज हैं, हमारे पर कोई दबाव नहीं रहेगा।

बॉक्सिंग चैंपियन नीतू और स्वीटी को हरियाणा सरकार से मिला नौकरी का प्रस्ताव

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली नीतू घंघास और स्वीटी बूरा को गुरुवार को 40-40 लाख रुपए का चेक और नौकरी का प्रस्ताव पत्र दिया।

नीतू और स्वीटी ने मुख्यमंत्री से चंडीगढ़ में उनके आवास संत कबीर कुटीर में भेंट की, जहां मुख्यमंत्री ने प्रत्येक को 40 लाख रुपये का चेक सौंपा और दोनों खिलाड़ियों को हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम के तहत ग्रुप बी की नौकरी का प्रस्ताव पत्र पेश किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदेश के लोगों के लिए गर्व की बात है कि पिछले कुछ वर्षों में लड़कियों ने खेल के क्षेत्र में प्रदेश के साथ-साथ देश का नाम रोशन किया है। गौरतलब है कि नीतू बीते रविवार को हुए फाइनल में 48 किग्रा का स्वर्ण पदक जीता था, जबकि स्वीटी ने 81+ किग्रा में खिताब हासिल किया था।

रिकार्ड नहीं खेल पर रहता है मेरा ध्यान : लिटन

ढ़ाका । बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास ने कहा है कि वह रिकार्ड के बारे में नहीं अपने खेल के बारे में ध्यान देते हैं। लिटन ने आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में 18 गेंदों ही सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इस प्रकार उन्होंने अपने ही देश के मोहम्मद अशरफुल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अशरफुल ने साल 2007 टी20 विश्व कप में 20 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था। लिटन ने 41 गेंदों पर 10 चौकों और तीन छक्कों की सहायता से 83 रन बनाए। बांग्लादेश ने आयरलैंड को इस मैच में 77 रन से हराकर सीरीज 2-0 से जीती। लिटन ने मैच के बाद कहा, यह अच्छा लगता है कि सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड मेरे नाम पर बना है पर मैंने पहले ही कहा था कि मैं रिकॉर्ड के लिए नहीं खेलता। मुझे लगा कि मैं बीच के ओवरों में बहुत ज्यादा दौड़ रहा था जब विकेट स्पिनरों की मदद कर रहा था , इसलिए मैंने तेजी से शॉट लगाने शुरु कर दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने पावरप्ले में 5 ओवर में ही 73 रन बनाए। लिटन और रोनी तालुकदार ने पहले विकेट के लिए 9.2 ओवर में 124 रन बनाये। बारिश के कारण आई बाधा के बीच ही 17 ओवर के मैच में बांग्लादेश ने सात विकेट पर 202 रन बनाए। इसके बाद आयरलैंड की टीम लक्ष्य का पीछा नहीं कर पायी।

मोर्कल के नाम है आईपीएल इतिहास का सबसे लंबा छक्का

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 16 वें सत्र से एक बार फिर क्रिकेट प्रशंसकों को आक्रामक खेल देखने का अवसर मिलेगा। आईपीएल में दुनिया भर के क्रिकेटर खेलते हैं और इसके अब तक के इतिहास में बल्लेबाजों ने कई बड़े शॉट खेले हैं। इसमें अब तक सबसे लंबे छक्के का रिकार्ड

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर एल्बी मोर्कल के नाम है। उन्होंने यह उपलब्धि आईपीएल के पहले सत्र में हासिल की थी। मोर्कल ने आईपीएल 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलते हुए डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ प्रज्ञान ओझा की गेंद पर 125 मीटर का लंबा छक्का लगाया था। 16 साल बाद भी आईपीएल के इतिहास में कोई और खिलाड़ी उनसे लंबा छक्का नहीं लगा पाया। वहीं आईपीएल में लगे सबसे लंबे छक्के लगाने में दूसरे नंबर पर भारतीय क्रिकेटर प्रवीण कुमार का नाम है। उन्होंने 2013 में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए 124 मीटर का छक्का लगाया था। 41 वर्षीय मोर्कल को आईपीएल का अच्छा अनुभव रहा है। उन्होंने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, दिल्ली कैपिटल्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने आईपीएल में खेले गए 91 मैचों में 24.35 की औसत से बल्लेबाजी करते हुए 974 रन बनाए हैं। अब देखना है कि उनका सबसे लंबे छक्के का रिकार्ड इस सत्र में टूटता है या नहीं।

डेविस कप में स्पेन की भिड़ंत सर्बिया से, क्रोएशिया से खेलेगा अमेरिका

लंदन । दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज और दूसरे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच की डेविस कप में भिड़ंत देखने को मिल सकती है क्योंकि स्पेन और सर्बिया को इस टीम टेनिस टूर्नामेंट के ग्रुप सी में रखा गया है।

स्पेन सितंबर में वेलेंसिया में ग्रुप सी की मेजबानी करेगा जिसमें उसके और सर्बिया के अलावा चेक गणराज्य और दक्षिण कोरिया को भी रखा गया है। ग्रुप डी में अमेरिका का सामना दो बार के चैंपियन क्रोएशिया से होगा जबकि ग्रुप की दो अन्य टीम फिनलैंड और नीदरलैंड हैं। इस ग्रुप की मेजबानी क्रोएशिया करेगा लेकिन शहर और स्थल की घोषणा अभी नहीं हुई है। पिछले साल पहली बार खिताब जीतने वाले कनाडा को मेजबान इटली, स्वीडन और चिली के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। ग्रुप बी में मेजबान ब्रिटेन, पिछले साल के उप विजेता ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और स्विट्जरलैंड को जगह मिली है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीम अंतिम आठ टूर्नामेंट में जगह बनाएंगी जो स्पेन के मलागा में नवंबर में खेला जाएगा। स्पेन ने पिछले साल ग्रुप चरण में सर्बिया को हराया था लेकिन तब जोकोविच और स्पेन के रफेल नडाल दोनों ने ही उस मुकाबले में हिस्सा नहीं लिया था। जोकोविच को पछाड़कर इस महीने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने अल्कारेज पिछले साल स्पेन टीम का हिस्सा थे लेकिन सर्बिया के खिलाफ नहीं खेले थे।

आर्थर बने पाक के सहायक टीम निदेशक, ब्रेडबर्न बनेंगे मुख्य कोच

लाहौर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के मिकी आर्थर पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सहायक टीम निदेशक बनेंगे। आर्थर पूर्व में टीम के मुख्य कोच रहे थे। इस बार मुख्य कोच की जिम्मेदार पूर्व फील्डिंग कोच ग्रांट ब्रेडबर्न को मिलेगी। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इन दोनो को ही अहम जिम्मेदारी देने का फैसला किया है। आर्थर के कोच रहते ही पाकिस्तान ने भारत को हराकर 2017 चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। वहीं साल 2019 विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें हटा दिया गया था। वहीं दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्न मोर्कल गेंदबाजी कोच बन सकते हैं। एंड्रयू पुटिक बल्लेबाजी कोच रहेंगे। मोर्कल अभी आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ बने हुए हैं। टीम के फिजियोथेरेपिस्ट क्लिफ डिकॉन और स्ट्रेंथ एन्ड कंडीशनिंग कोच ड्रिक्स साइमन भी अपने-अपने पदों पर बने रहेंगे। कोचिंग स्टाफ के चार सदस्य न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले माह 14 अप्रैल से होने वाली घरेलू सफेद गेंद सीरीज से पहले टीम से जुड़ जाएंगे। आर्थर लगातार टीम के साथ नहीं रहेंगे। अगले महीने कोचिंग स्टाफ को जानकारी देने के लिए वह पाकिस्तान का संक्षिप्त दौरा करेंगे और फिर डर्बीशायर के साथ अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए इंग्लैंड लौट जाएंगे। वह एकदिवसीय विश्व कप से पहले तैयारी शिविर में लौटेंगे। वहीं इससे पहले सकलैन मुश्ताक और शॉन टैट के अनुबंधों को आगे नहीं बढ़ाये जाने के कारण पाक टीम के पास कोई भी पूर्णकालिक कोचिंग स्टाफ नहीं था।

उपचार के लिए एनसीए पहुंचे अय्यर

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अपनी कमर के इलाज के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) पहुंच गए हैं। अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में दर्द उठा था जिसके लिए उन्हें डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी थी पर इसमें उन्हें लंबे समय तक खेल से दूरे रहना होगा। वहीं अय्यर सात जून से होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के साथ ही विश्वकप भी खेलना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने सर्जरी की जगह पर एनसीए में वैकल्पिक इलाज कराने का फैसला किया है। अय्यर को पहले एक इंजेक्शन दिया जाएगा। उसके बाद ही एनसीए का स्टाफ अकादमी में उनके रहने की अवधि पर फैसला करेगा। भारतीय टीम को इंग्लैंड के ओवल मैदान पर होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। वहीं अगर अय्यर सर्जरी करवाते हैं तो वह कम से कम छह महीने के लिये क्रिकेट से दूर हो जायेंगे पर वह ऐसा नहीं चाहते। इस मामले में पेश एक रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने एनसीए अधिकारियों और विशेषज्ञ डॉक्टर से मुलाकात की है। सर्जर स्थगित करने को लेकर सभी एकमत हैं। वह विशेषज्ञ की सलाह पर ही काम कर रहे हैं। अय्यर दर्द के कारण ही आईपीएल के 16वें सत्र से भी बाहर हैं।

शाकिब ने टी20 में साउदी का सबसे अधिक विकेट का रिकार्ड तोड़ा

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का न्यूजीजैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी का रिकार्ड तोड़ दिया है। शाकिब ने बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ 5 विकेट लेकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। शाकिब के नाम 114 टी20 मैचों में 136 विकेट हो गये हैं। वहीं साउदी के नाम 134 थे। शाबिक ने आयरलैंड के टकर को दूसरे ओवर की पहली गेंद पर ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद वह विकेट लेते रहे। जॉर्ज डॉकरेल उकने पांचवें शिकार बने। शाकिब ने टी20 क्रिकेट में 6.8 की इकॉनमी रेट और 20.67 की औसत से अब तक 136 विकेट लिए हैं। साथ ही उन्होंने 122.33 के स्ट्राइक रेट से 2339 रन भी बनाए हैं। बांग्लादेश के इस क्रिकेटर ने अपना टी20 डेब्यू 2006 में जिम्बाब्वे के खिलाफ किया था और अब तक 114 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के सभी 7 संस्करणों में भाग लिया है। मैच के बाद शाकिब ने कहा, जब मैंने बल्लेबाजी की, तो जब टेक्टर ने धीमी गति से गेंदबाजी की तो वह घूमने लगी। इसलिए मैंने सोचा कि स्पिनरों के लिए कुछ है और मैंने फैसला किया स्पिन के साथ शुरू करें। यदि आप एक अच्छी टीम हैं, जब आप ऑस्ट्रेलिया या इंग्लैंड जाते हैं तो वे हमेशा 3-0 से जीतने की कोशिश करते हैं यदि वे 2-0 से ऊपर हैं तो हम वही प्रयास करेंगे। हमारे आत्मसंतुष्ट होने का कोई मौका नहीं। शाकिब ने कहा, हम कुछ नए खिलाड़ियों को आजमा सकते हैं, लेकिन उनमें भी अच्छा प्रदर्शन करने की उतनी ही भूख होनी चाहिये।

अर्जुन तेंदुलकर को खेलने देगी मुम्बई इंडियंस ?

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अर्जुन तेंदुलकर को अवसर मिलना है यह देखना होगा। पिछले दो सत्र में उन्हें एक बार भी खेलने का अवसर नहीं मिला। वहीं मुम्बई इंडियंस के कप्तान कप्तान रोहित शर्मा और कोच मार्क बाउचर के अनुसार अर्जुन ने गेंदबाजी में अब तक अच्छा किया है। उन्हें गेंदबाज के तौर पर टीम में मौका दिया जा सकता है। बता दें कि अर्जुन पिता की तरह स्पिन नहीं, बल्कि बाएं हाथ से तेज गेंदबाजी करते हैं और साथ ही , बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। बाएं हाथ का गेंदबाज होने से उन्हें अवसर मिलने की अधिक संभावना है, लेकिन टीम के पास उनके लिए क्या योजनाएं हैं ये देखना होगा। अर्जुन ने इस साल रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंनें ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह से लंबी ट्रेनिंग ली थी थी। योगराज कड़े ट्रेनर के तौर पर जाने जाते हैं। उनकी ट्रेनिंग के बाद अर्जुन ने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया था। अब देखना है कि इस बार उन्हें अवसर मिलता है या नहीं।

दिल्ली कैपिटल्स की उप-कप्तानी मिलना पुरस्कार की तरह : अक्षर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के नये उपकप्तान बनाये गये अक्षर पटेल ने कहा है कि यह कड़ी मेहनत का फल है जो उन्हें मिला है। अक्षर उप कप्तान के तौर पर अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित हैं और उनका कहना है कि पिछले कुछ सत्र में उन्होंने जिस प्रकार से खेला था उसी के कारण उन्हें उपकप्तानी मिली है। अक्षर ने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट एक वीडियो में कहा, 'मेरे नजरिए से अगर आपको यह भूमिका मिली है तो इसका अर्थ यह है कि सीनियर खिलाड़ी के रूप में आपने प्रगति की है। यह आपने टीम के लिए जो भी किया है उसके ईनाम की तरह हैं। मैं इस भूमिका को लेकर उत्साहित हूं।'

उन्होंने कहा, 'हमारी अधिकतर टीम पहले वाली ही है, पिछले तीन-चार साल से वही खिलाड़ी खेल रहे हैं। हम अपने खिलाड़ियों को अच्छी तरह जानते हैं और यह अहम है।' वहीं गत वर्ष दिसंबर में हुए कार हादसे में घायल हुए कप्तान ऋषभ पंत के स्थान पर दिल्ली की टीम ने इस सत्र में ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर को नया कप्तान बनाया है। अक्षर ने कहा कि वह नए कप्तान वार्नर का पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा, 'वार्नर एक अनुभवी खिलाड़ी है। मैं उसे ऐसा माहौल दूंगा जिसमें वह अपनी क्षमता का सर्वश्रेष्ठ उपयोग कर सके। जब आप दिल्ली कैपिटल्स के शिविर से जुड़ते हैं तो यह पूरी तरह से अलग अहसास होता है। तीन-चार साल से फ्रेंचाइजी के साथ हूं और यह घर की तरह बन गया है।' दिल्ली की टीम आईपीएल में अपना पहला मुकाबला शनिवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स से खेलेगी।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 7.7 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 13.4करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।
शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शयिम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

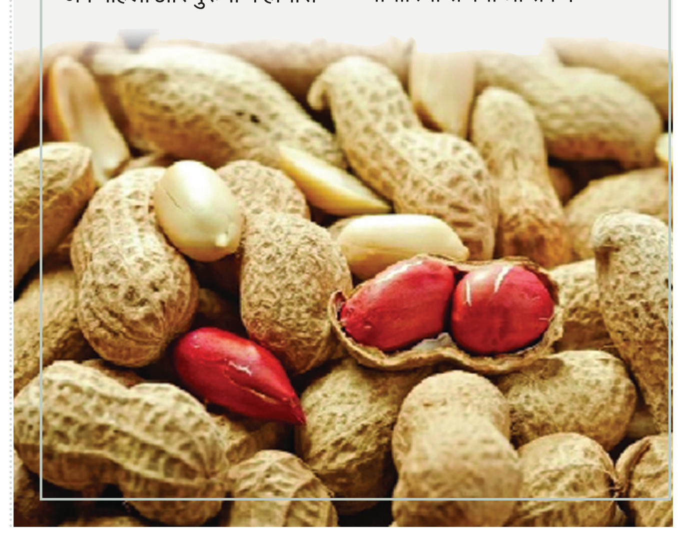

फिलीपींस में नौका में लगी आग, मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 28

-230 को बचा लिया गया

मनीला। फिलीपींस में एक नौका में आग लगने से कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई और 230 अन्य को बचा लिया गया है। फिलीपींस कोस्ट गार्ड (पीसीजी) के अनुसार एम-वी लेडी मैरी जॉय-3, एक यात्री और मालवाहक जहाज, जाम्बोआंगा शहर से जोलो की ओर जा रहा था, जब गत बुधवार की रात लगभग 10.40 बजे आग लग गई। पीसीजी कमोडोर रेजार्ड मार्फे ने कहा कि नौका के विभिन्न हिस्सों में 18 झुलसे हुए शव मिले, जबकि अन्य 10 को पानी से बरामद किया गया। उन्होंने कहा कि बचाए गए लोगों में 195 यात्री और 35 चालक दल के सदस्य हैं। मारफे ने कहा कि हम संभावित हताहतों की तलाश के लिए नाव की तलाशी जारी रखे हुए हैं। बेसिलन प्रांत में आपदा न्यूनीकरण और प्रबंधन कार्यालय के प्रमुख निक्सन अलोंजो ने मीडिया को बताया कि अधिकारी समुद्र में कूदने वाले 7 और यात्रियों के लापता होने की खबरों की पुष्टि कर रहे हैं। अलोंजो ने कहा कि यात्रियों की मौत पानी में कूदने के बाद डूबने से हुई। कुछ लोग झुलस गए। अधिकारी आग के कारणों की जांच कर रहे हैं, जो कथित तौर पर पोत के एक वातानुकूलित केबिन में शुरू हुई थी। आग लगने के वक्त ज्यादातर यात्री सो रहे थे। पीसीजी ने कहा कि उसने खोज और बचाव अभियान में मदद के लिए कर्मियों और अपने पोत को तैनात किया है, जो वर्तमान में चल रहा है।

70 साल के अरबपति बने बेटी के पिता

लंदन । 70 साल के एक अरबपति ने बेटी के पिता बनकर सब को चकित कर दिया है, हालांकि वो सातवीं बार पिता बने हैं. उनकी 39 वर्षीय पत्नी ने हाल ही में एक बच्ची को जन्म दिया। कपल ने सोशल मीडिया पर बच्ची की तस्वीरें शेयर की हैं, जो अब वायरल हो रही हैं। उनके चाहने वाले उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार 27 मार्च को ब्रिटिश बिलेनियर और मोबाइल फोन रिटेलर कंपनी के को-फाउंडर जॉन कॉडवेल के घर बेटी का जन्म हुआ। उनकी पत्नी मोडेस्टा वेस्निआस्काइट दूसरी बार मां बनीं. मोडेस्टा लिथुआनिया 2008 ओलंपिक में भाग ले चुकी हैं।ब्रिटेन के स्टैफर्डशायर में रहने वाले कॉडवेल ने बताया कि बेटी का नाम साबेला स्काई रखा गया है। उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी मोडेस्टा इतनी खुश थी कि उसके आंसू छलक पड़े. कपल ने बेटी के जन्म को अपने जीवन के सबसे खूबसूरत पलों में से एक के रूप में वर्णित किया।

खराब प्रदर्शन पर कंपनी के कर्मचारी एक दूसरे को मारते हैं थप्पड़

हांगकांग। हांगकांग की एक बीमा कंपनी के कर्मचारी अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए,अपने साथियों के ही थप्पड़ खाते हैं। बीमा कंपनी के लिए, जो कर्मचारी बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। उनके साथी उन्हें थप्पड़ मारकर, प्रदर्शन बेहतर करने का एहसास दिलाते हैं। कंपनी के वार्षिक कार्यक्रम में कर्मचारियों की जब परफारमेंस रिपोर्ट सामने आई। उसके बाद जिन कर्मचारियों का प्रदर्शन खराब था। उन्होंने एक-दूसरे को थप्पड़ मारकर प्रदर्शन सुधारने का एहसास कराया। इस तरह से थप्पड़ मारने को वैसे तो अमानवीय बताया जाता है। लेकिन बीमा कंपनी के कर्मचारी इसे प्रदर्शन सुधारने के लिए बेहतर सीख के रूप में लेते हैं।

श्वसन संबंधी संक्रमण से परेशान पोप फ्रांसिस अस्पताल में भर्ती

-अस्पताल के लिए वाहन में चढ़ते समय पोप मुस्कुराते दिखे

रोम । श्वसन संबंधी संक्रमण के कारण पोप फ्रांसिस को रोम के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया में दिए एक बयान के अनुसार 86 वर्षीय पोप ने श्वांस लेने में तकलीफ की शिकायत की है। बुधवार दोपहर उन्हें चिकित्सकीय जांच के लिए रोम के पोलिक्लिनिको ए जेमेली ले जाया गया। अस्पताल जाने से पहले सुबह उन्होंने सेंट पीटर्स स्क्वॉयर में अपने साप्ताहिक कार्यक्रम में आम दर्शकों की अध्यक्षता की। वह अच्छे मूड में दिखाई दिए। अस्पताल के लिए वाहन में चढ़ते समय वह मुस्कुराते दिखे।

960 बार टेस्ट देने के बाद 69 वर्षीय महिला को मिला ड्रायविंग लाइसेंस

- दक्षिण कोरियन कंपनी ह्युंडई के निर्माता ने दिया लाखों रुपए कीमती एक नया वाहन

सियोल। एक महिला के साथ अजीब वाकया हुआ, जिसे एक ड्राइविंग लाइसेंस यानी डीएल बनवाने में 18 साल का वक्त लग गया और 11 लाख रुपए खर्च भी हुए। वहीं 960 टेस्ट देने पड़े, तब जाकर उसे अपना ड्राइविंग लाइसेंस मिल सका। ये मामला दक्षिण कोरिया का है, जहां चा सा सून नाम की महिला राजधानी सियोल से 130 मील की दूरी पर रहती है। इस महिला का धैर्य और उसकी हार न मानने की क्षमता के बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। जहां हम किसी काम को 8-10 बार करने के बाद छोड़ देते हैं, वहीं ये महिला हर हफ्ते 5 बार ड्राइविंग टेस्ट लगातार तीन साल तक देती रही। इतना इंतजार और मेहनत करने के बाद उसे अपने हाथ में डीएल मिल सका। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चा सा सून ने पहली बार साल 2005 के अप्रैल महीने में ड्राइविंग टेस्ट के लिए लिखित परीक्षा दी थी। इसमें फेल होने के बाद उसने 780 बार फिर से परीक्षा दी। हफ्ते में 2 बार उसकी परीक्षा होती रही, जब तक कि वो पास नहीं हो गई। इसके बाद सिलसिला शुरू हुआ प्रैक्टिकल टेस्ट का। इस काम में पास होने के लिए उसे 10 और अटेम्प्ट करने पड़े यानी कुल 960 बार परीक्षाओं से गुजरने के बाद चा सा सून के हाथ में ड्राइविंग लाइसेंस आ सका। अब उनकी उम्र 69 साल है, जब उन्हें गाड़ी चलाने की सरकारी परमिशन मिली है। इतना ही नहीं, महिला ने इस पूरे प्रोसेस में 11 लाख रुपये से भी ज्यादा खर्च किए, तब जाकर उसे लाइसेंस मिल सका। उसने अपने सब्ज़ी बेचने के बिजनेस के लिए ये लाइसेंस चाहिए था, ताकि वो लॉरी ड्राइव कर सके। उसकी कहानी वायरल होने के बाद दक्षिण कोरियन कंपनी ह्युंडई के मैन्युफैक्चरर की ओर से उसे एक नया वाहन भी दिया गया है, जिसकी कीमत लाखों में है। इतना ही नहीं, उसे गाड़ी के विज्ञापन में भी दिखाया जाएगा। महिला को लाइसेंस मिलने के बाद सबसे ज्यादा खुशी उसके ड्राइविंग इंस्ट्रक्टर को हुई है।

नीदरलैंड का रहने वाला यह शख्स 550 बच्चों का पिता

लंदन । आज के इस दौर में किसी शख्स के 8-10 बच्चे हों, तब हम सुनकर ही दंग रह जाते हैं। लेकिन अगर कोई कहे कि उसके सैकड़ों बच्चे हैं, तब आश्चर्य होना लाजमी है। ऐसा ही झटका हर किसी को लगा जब एक 31 साल के शख्स ने बताया कि वहां 2-4 नहीं बल्कि कुल 57 बच्चों का पिता है और उसके बच्चे किसी एक देश में नहीं बल्कि पूरी दुनिया के अलग-अलग देशों में बिखरे हुए हैं। कुछ देशों में जनसंख्या का बढ़ना एक समस्या बन चुका है लेकिन कुछ जगहों पर लोग आज भी किसी न किसी वजह से इनफर्टिलिटी की समस्या से जूझ रहे हैं। इसके बाद लोगों के लिए तरह-तरह के मेडिकल ट्रीटमेंट्स मौजूद हैं। हमारे देश में इतना नहीं लेकिन विदेशों में इसतरह के मामले के लिए स्पर्म डोनेशन न सिर्फ विकल्प के तौर पर अपनाया जा चुका है बल्कि लोग इससे पैसे भी कमाते हैं। हम जिस शख्स के बारे में आज बताएंगे, उसने इसी के जरिये 550 बच्चे पैदा कर डाले हैं। नीदरलैंड के रहने वाले 41 साल के जोनाथन जैकब मीजर पर कोर्ट में अजीब ही मामला चल रहा है। इस शख्स पर उन सैकड़ों महिलाओं ने केस किया है, जिनके बच्चों का ये बाप है। महिलाओं का आरोप का है शख्स ने उन्हें जानकारी दिए बिना दुनिया भर में 550 बच्चे पैदा कर डाले। मेडिकल प्रोफेशनल्स का कहना है कि बच्चों की मानसिक स्थिति पर इस बात का प्रभाव पड़ेगा, जब उन्हें पता चलेगा कि उनके इतने सौतेले भाई-बहन हैं। यही नहीं उनके आपस में शादी करने का भी खतरा बढ़ जाता है। घटना के बाद से नीदरलैंड में स्पर्म डोनेशन के कानून में सुधार की बात चल रही है, जिससे एक शख्स 12 महिलाओं से ज्यादा स्पर्म डोनेट नहीं कर सकता है। जैकब को कोर्ट ने समन दिया था। साल 2017 तक इस शख्स ने 10 अलग-अलग क्लीनिक में स्पर्म डोनेशन के जरिये 102 बच्चे पैदा कर लिए थे। नीदरलैंड में उसे डोनेशन के लिए बैन कर दिया गया था। हालांकि आज की तारीख में उसके बच्चों की संख्या 500 से ऊपर है।

दुबई में रमजान के अवसर पर रोजा इफ्तार करते हुए लोग।

ताइवान की राष्ट्रपति अमेरिका पहुंचीं, विरोध के साथ स्वागत भी हुआ

वाशिंगटन । ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन न्यूयॉर्क पहुंच गई। चीन और अमेरिका में टकराव की गंभीर स्थिति के बावजूद वह बुधवार को न्यूयॉर्क पहुंचीं। होटल के बाहर उनका विरोध करने के लिए प्रदर्शनकारी और उनका स्वागत करने वाले दोनों तरह के लोग खड़े थे। न्यूयॉर्क राष्ट्रपति सेंट्रल अमेरिका जाएंगी, ग्वाटेमाला और बेलीज का दौरा करेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लॉस एंजिलिस होते हुए ताइवान लौटने से पहले वह हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी से मुलाकात कर सकती हैं। उधर चीन ने इस मुलाकात की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि अगर यह होती है, तो गंभीर टकराव हो सकता है। वाशिंगटन में चीन के वरिष्ठ दूत ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह त्साई को उनके देश में आने की अनुमति देकर ताइवान की स्वतंत्रता की वकालत कर रहा है। ऐसे में उनकी यात्रा पर गंभीर स्थिति बन रही है।

चीन के प्रभारी डीएफेयर जू ज्यूयुआन के हवाले से कहा, चाहे ताइवान की नेता संयुक्त राज्य अमेरिका में आएं या अमेरिकी नेता ताइवान के दौरे पर जाएं, (यह) चीन-अमेरिका संबंधों में एक और गंभीर, गंभीर, गंभीर टकराव का कारण बन सकता है। त्साई को यात्रा की अनुमति देकर, वाशिंगटन ने चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर सवाल उठाया है। जू ने कहा, हम अमेरिकी पक्ष से आग्रह करते हैं कि वह ताइवान के सवाल पर आग से न खेलें।ताइवान खुद को एक संप्रभु राज्य मानता है, जबकि चीन इसे एक टूटे हुए प्रांत के रूप में देखता है जो अंततः मुख्य भूमि के साथ फिर से जुड़ जाएगा।

आईएमएफ कर्ज देने से पूर्व पाक से मुस्लिम दोस्तों की मांग रहा गारंटी

-आईएमएफ को पाकिस्तान पर नहीं है भरोसा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कई कठोर शर्तों और लंबी बातचीत के बाद भी पाकिस्तान और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के बीच समझौता नहीं हो पा रहा है। आईएमएफ पाकिस्तान को वित्तीय सहायता पर सऊदी अरब और यूएई सहित द्विपक्षीय देशों से वैरिफिकेशन कर रहा है। पाकिस्तान को उम्मीद है कि स्टाफ-लेवल एग्रीमेंट साइन करने के लिए द्विपक्षीय मित्र उसे वित्तीय सहायता मुहैया कराएंगे। पाकिस्तान के कई बार अनुरोध के बाद भी सऊदी अरब और यूएई इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रहे हैं। दूसरी तरफ आईएमएफ ने संकटग्रस्त बांग्लादेश और श्रीलंका को आर्थिक मदद का ऐलान कर दिया है। सीनेट स्टैंडिंग कमेटी ऑन फाइनेंस में हिस्सा लेने के बाद पाकिस्तान की वित्त राज्यमंत्री डॉ. आइशा गौस पाशा ने कहा कि आईएमएफ के साथ बातचीत जारी है। अब इकलौता बकाया मुद्दा आईएमएफ का सऊदी अरब और यूएई सहित द्विपक्षीय देशों से बाहरी वित्तपोषण पर पुष्टि का है, जो प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा कि ऐसे संकेत हैं कि द्विपक्षीय मित्रों से बहुत जल्द वित्तीय सहायता मिल सकती है। यह मदद आईएमएफ के साथ स्टाफ लेवल एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने में मदद करेगी।

आइशा गौस ने स्पष्ट किया कि पेट्रोलियम उत्पादों पर सब्सिडी का कोई सुझाव नहीं है। इस बीच पाकिस्तान फॉरेन एक्सचेंज एसोसिएशन के अध्यक्ष मलिक बोस्टन ने सीनेट पैनल को बताया कि वे अगले दो साल तक सरकार को हर महीने 1 अरब डॉलर की मदद दे सकते हैं, जिसके बाद आईएमएफ की कोई जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पिछले 30 साल में करीब 180 अरब डॉलर विदेश भेजे गए। उन्होंने कहा कि वे 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद 10 अरब डॉलर सिस्टम में लेकर आए। सीनेट समिति की बैठक में आइशा गौस ने कहा कि नौवीं समीक्षा के पूरा होने में बाहरी वित्तीय मदद एकमात्र अड़चन है। उम्मीद है कि यह जल्द दूर हो जाएगी। चीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात समेत मित्र देशों से सकारात्मक संकेत मिले हैं। मंत्री ने कहा कि इस प्रक्रिया में समय लग रहा है क्योंकि आईएमएफ को मित्र देशों से पुष्टि चाहिए और वेरिफिकेशन के बाद समझौते को अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि तीनों देशों ने पाकिस्तान का समर्थन किया है।

अमेरिकी साफ्टवेयर क्षेत्र में काम करने वाले विदेशी कर्मचारियों को राहत

- एच-1बी वीजाधारकों के जीवनसाथी भी कर सकेंगे काम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी साफ्टवेयर क्षेत्र में काम करने वाले विदेशी कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए एक न्यायाधीश ने फैसला सुनाया है कि एच-1बी वीजाधारकों के जीवनसाथी अमेरिका में काम कर सकते हैं। अमेरिका की जिला न्यायाधीश ने सेव जॉब्स यूएसए द्वारा दायर एक याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल के विनियम को खारिज करने का अनुरोध किया गया था। इस विनियम के तहत एच-1बी वीजा धारकों की कुछ श्रेणियों के जीवनसाथियों को रोजगार प्राधिकरण कार्ड दिया जाता है। अमेजन, एपल, गगूल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने मुकदमे का विरोध किया था। इस विनियम के तहत अमेरिका ने अब तक लगभग 1,00,000 एच-1बी कर्मचारियों के जीवनसाथियों को काम का अधिकार दिया है, जिनमें काफी बड़ी संख्या में भारतीय हैं। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि सेव जॉब्स यूएसए का पहला तर्क यह है कि ग्रेस ने डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी को कभी एच-4 वीजाधारकों जैसे विदेशी नागरिकों को अमेरिका में रहने के दौरान काम करने की अनुमति नहीं दी है। न्यायाधीश ने कहा कि कांग्रेस ने स्पष्ट रूप से और सोच-समझकर अमेरिका सरकार को अधिकार दिया है कि वह अमेरिका में एच-4 जीवनसाथी के रहने की अनुमेय शर्त के रूप में रोजगार को अधिकृत करे। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के एक प्रमुख नेता एवं आयोग के सदस्य अजय जैन भुटोरिया ने न्यायाधीश के फैसले का स्वागत किया है। एच-1बी वीजा के जरिए अमेरिकी कंपनियां खासकर प्रौद्यगिकी क्षेत्र में विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करती हैं। माना जा रहा है कि इस फैसले से बड़ी संख?या में लोगों को फायदा हो सकता है।

पड़ोसी मुल्क पाक में रमजान माह में मुफ्त आटा पाने की जद्दोजहद में मची जंग, 11 की मौत, 60 घायल

- सरकारी वितरण केंद्रों पर अव्यवस्था से लोगों की गई जान

-इमरान खान ने निःशुल्क आटा केंद्रों में कुप्रबंधन के लिए शहबाज सरकार की निंदा की

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान में आटा-दाल का संकट बढ़ता ही जा रहा है। पाकिस्तान में अक्सर आटे के लिए लाइन में लगे लोगों का वीडियो वायरल होता रहता है। वहीं ताजा खबर के अनुसार पंजाब प्रांत में हाल के दिनों में सरकारी वितरण कंपनी से मुफ्त आटा लेने की कोशिश में कई महिलाओं समेत लगभग 11 लोगों की मौत हो गई है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान में आसमान छूती महंगाई से राहत देने के लिए सरकार ने विशेष रूप से पंजाब प्रांत में गरीबों के लिए मुफ्त आटा योजना शुरू की है। इसके बाद सरकारी वितरण केंद्रों पर कई लोगों की मौत की सूचना मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस योजना का उद्देश्य पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान की बढ़ती लोकप्रियता को कम करना है। दक्षिण पंजाब के चार जिलों साहीवाल, बहावलपुर, मुजफ्फरगढ़ और ओकारा में मुफ्त आटा केंद्रों में मंगलवार को दो बुजुर्ग महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई, जबकि 60 अन्य घायल हो गए, जिन अन्य जिलों में मौत की सूचना मिली है, उनमें फैसलाबाद, जहानियां और मुल्तान शामिल हैं। मुफ्त आटा पाने के लिए लंबी कतारों में इंतजार कर रहे नागरिकों के साथ हाथापाई और लाठीचार्ज करके केंद्रों पर अराजकता फैलाने के लिए पुलिस को दोषी ठहराया गया है। मुजफ्फरगढ़ और रहीम यार खान शहरों में आटे के ट्रकों की लूट के बाद सुरक्षा बलों ने भी सख्त रवैया अपनाया है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान अब तक के अपने सबसे बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहा है।

भारत के बाद अमेरिका ने भी किया चीन का टिक-टॉक बैन

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के टिक-टॉक जैसे एप्स को अब अमेरिका ने भी बैन कर दिया है। लंबे समय से आ रहे दुष्परिणामों को देखते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका ने यह कदम उठाया है। गौरतलब है कि चीन के गैजेट्स और एप्स को लगातार कई देशों में बैन किया जा रहा है। टिकटॉक को भारत समेत कई देशों ने पहले ही बैन कर रखा है। अब इस फेहरिस्त में अमेरिका का नाम भी शामिल हो गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका में टिकटॉक को बैन करने वाले कदम से ड्रैगन बौखला गया है। हालांकि बीजिंग में अधिकारियों ने टिकटॉक को लक्षित करने के अमेरिकी प्रयासों की आलोचना करते हुए दावा किया कि वाशिंगटन ने अभी तक हमारे सामने कोई सबूत नहीं किए हैं कि ऐप राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। जबकि कई देशों ने अब तक सुरक्षा खतरे के आधार पर चीनी ऐप टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाया है। इतना ही नहीं अमेरिका ने तो ऐप के माध्यम से चीन पर जासूसी के आरोप भी लगाए हैं। अब इस पर चीन की तरफ से भी आई प्रतिक्रिया में पलटवार करते हुए कहा गया कि जब अमेरिका कंपटीशन में फेल हो गया तो उसकी तरफ से जासूसी के आरोप लगाए। हालांकि बीते दिनों बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और कंपनी पर चीनी सरकार के संभावित प्रभाव के बीच टिकटॉक के सीईओ शौ ज़ी च्यू अमेरिकी कांग्रेस के सामने पेश हुए। जहां उन्हें कई कड़े और महत्वपूर्ण सवालों का सामना करना पड़ा।

मोसाद ने किया खुलासा, इजरायल में कत्लेआम मचाने की हो रही थी साजिश

तेल अवीव (एजेंसी)। पाकिस्तान के मंसूबे एक बार फिर जाहिर हो गए हैं। पाकिस्तान के दो नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद साजिश का खुलासा हुआ है। इस मामले में मोसाद का कहना है कि ये पाकिस्तानी आतंकी, ईरान के साथ मिलकर ग्रीस में इजरायली नागरिकों पर हमले की तैयारी में जुटे थे। आतंकी राजधानी एथेंस में एक यहूदी केंद्र को निशाना बनाना चाहते थे जिसे धार्मिक केंद्र के तौर पर भी जाना जाता है। इन दोनों नागरिकों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है और अब इन्हें शनिवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस पूरी साजिश की जांच दो बिंदुओं को आधार बनाकर की जा रही है। एथेंस में स्थित याफ्का अपार्टमेंट इस जांच का पहला बिंदु है। दोनों आतंकी इस रेस्टोरेंट में सबसे ज्यादा समय बिताते थे। इन आतंकियों के निशाने पर यहूदी रेस्टोरेंट साइरी भी था।

इस मामले में पुलिस ऑफिसर्स द्वारा कहा जा रहा है कि उसी अपार्टमेंट की फोटोग्राफ मिली है जहां पर दोनों अपने धर्म के लोगों से मिलते थे। इनका मकसद एक आतंकी संगठन की शुरुआत करना था। व्हाट्एसएप के जरिए इन्होंने कॉन्टैक्ट्स बनाए थे। अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि इनमें से कितने पाकिस्तानी थे। याफ्का अपार्टमेंट वही जगह है जिसे एंटी-टेररिस्ट एजेंसी की तरफ से पहले भी सर्च किया जा चुका है। अभी तक 20 पाकिस्तानियों से इस सिलसिले में पूछताछ की जा चुकी है। इन सभी लोगों के गिरफ्तार किए गए युवाओं से संपर्क थे। ग्रीस की आतंकवाद-रोधी एजेंसी और इंटेलीजेंस एजेंसी ईवाईपी की तरफ से इन दोनों के कॉन्टैक्ट्स की जांच की जा रही है।

दोनों हमेशा वीआईपी यहूदियों का नाम लेकर उनकी हत्या के बारे में बात करते थे जिसका खुलासा दोनों पाकिस्तानियों के मोबाइल फोन की जांच करने पर हुआ। जांच एजेंसियों का मानना है कि आतंकवादियों की योजना शुरू में साइरी रेस्टोरेंट पर हमला करने और फिर वीआईपी लोगों पर भी हमला करने की थी। यह पूरी योजना दो पाकिस्तानियों के पड़ोसी की तरफ से तैयार की गई थी। यह व्यक्ति पहले ईरान में था और यहां से ही इन्हें निर्देश मिल रहे थे। इस ईरानी नागरिक ने ही गिरफ्तार किए गए दो लोगों को हथियारों के साथ हमला करने के लिए मजबूर किया था। रेस्टोरेंट में 50 से ज्यादा लोग आम दिनों में मौजूद रहते हैं। हमले में मारे गए हर इंसान के लिए उन्हें 15,000 यूरो मिलने थे। लेकिन इस साजिश को अंजाम देने में दोनों ही असफल हो गए।

अमेरिका के एजीएम-183ए हाइपरसोनिक मिसाइल का तीसरा टेस्ट भी फेल

- लगातार मिलती नाकामी से खतरे में पड़ सकता है एजीएम-183ए एयर लांच रैपिड रिस्पांस वेपन प्रोग्राम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के एजीएम-183ए हाइपरसोनिक मिसाइल का तीसरा टेस्ट भी फेल हो गया है। ऐसे में इस मिसाइल को बनाने के लिए लॉन्च किया गए एआरआरडब्ल्यू प्रोग्राम के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। सर्विस सेक्रेटरी फ्रैंक केंडल ने अमेरिकी संसदीय कमेटी को बताया कि यह परीक्षण 13 मार्च को किया गया था। केंडल ने संकेत दिया कि लगातार मिलती नाकामी से एजीएम-183ए एयर-लॉन्च रैपिड रिस्पांस वेपन प्रोग्राम खतरे में पड़ सकता है। इस मिसाइल का निर्माण दिग्गज अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन कर रही है। सर्विस सेक्रेटरी ने कहा कि इस समय हम एआरआरडब्ल्यू की तुलना में हाइपरसोनिक अटैक क्रूज मिसाइल (एचएसीएम) के लिए अधिक प्रतिबद्ध हैं। वित्तीय वर्ष 2024 के बजट अनुरोध पर सुनवाई के दौरान केंडल ने सदन विनियोग समिति के रक्षा पैनल को बताया कि एआरआरडब्ल्यू प्रोग्राम ने अपने टेस्ट प्रोग्राम में काफी संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि इस साल मार्च में इसका परीक्षण असफल रहा था। इससे पहले भी इसके दो परीक्षण असफल हो चुके हैं। ऐसे में सेक्रेटरी ने कहा कि हमे अध्ययन करने के बाद अगले वित्तीय वर्ष में इस प्रोग्राम को जारी रखने या नहीं रखने पर अंतिम निर्णय जल्द करने वाले हैं। ऐसे में आशंका है कि इस प्रोग्राम को जल्द ही बंद किया जा सकता है।

हाइपरसोनिक हथियार मैक 5 की गति से यात्रा करते हैं। ये अत्याधिक गतिशील होते हैं, जिससे उन्हें ट्रैक करना और मार गिराना मुश्किल हो जाता है। चीन और रूस ने अपनी सेनाओं के लिए हाइपरसोनिक हथियारों को विकसित करने के लिए काफी संसाधनों का निवेश किया है। ऐसे में कई अमेरिकी सांसदों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि उनका देश अपनी हाइपरसोनिक क्षमताओं को पाने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहा है। अमेरिकी वायु सेना ने खुलासा किया कि उसने इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी कैलिफोर्निया के तट से पूरी तरह से परिचालित प्रोटोटाइप एआरआरडब्ल्यू का दूसरा परीक्षण लॉन्च किया था लेकिन वायु सेना ने उस बयान में परीक्षण की सफलता या असफलता के बारे में कुछ नहीं बताया था। केवल इतना कहा था कि इस परीक्षण ने कई उद्देश्यों को पूरा किया है। यह भाषा पिछली बार एआरआरडब्ल्यू परीक्षण से अलग थी, तब वायु सेना ने कहा था कि हथियार की रिलीज सफल रहा और सभी उद्देश्य पूरे हुए हैं।

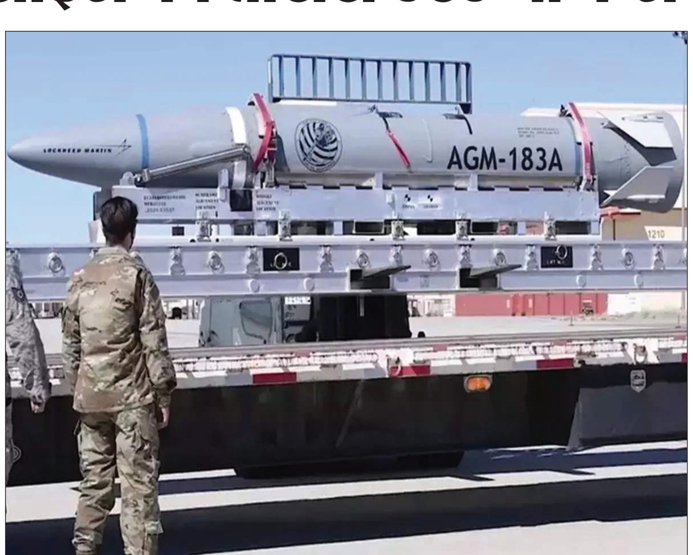

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली सरकार पुराने वाहनों को लेकर हुई सख्त, अब कबाड़ में भेजे जाएंगे वाहन

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने पुराने वाहनों को सीधे कबाड़ में भेजने की कवायद शुरू कर दी है। इसका उद्देश्य वाहन मालिकों को पुराने वाहनों को कबाड़ में भेजने के लिए प्रेरित करना है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस नई पहल के तहत यदि बहुत अधिक पुराने हो चुके वाहन शहर की सड़कों पर चलते पाए जाते हैं या सार्वजनिक स्थानों पर पार्क किए जाते हैं, तो उन्हें जब्त कर लिया जाएगा और सीधे स्क्रैपिंग यार्ड में भेज दिया जाएगा।' 'एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार को परिवहन विभाग की प्रवर्तन इकाई के दस दलों ने दस साल से अधिक पुराने डीजल वाहन और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों को मिलाकर कुल 50 वाहनों को सिविल लाइंस इलाके से जब्त किया और इन्हें पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग केंद्र (आरवीएसएफ) को सौंप दिया गया।'' वाहन मालिक यदि दस साल पुराने डीजल वाहन और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में उपयोग करना चाहते हैं तो उनके पास इन वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहन में बदलने का विकल्प होगा। उच्चतम न्यायालय ने 10 साल पुराने डीजल वाहन और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को दिल्ली में चलाने पर 2018 में रोक लगा दी थी। न्यायालय ने कहा था कि इस आदेश का उल्लंघन करने वाले वाहनों को जब्त कर लिया जाएगा।

ऑफिस में कुर्सी के विवाद पर सहकर्मी को मारी गोली

गुरुग्राम । हरियाणा के गुरुग्राम में एक वित्तीय कंपनी के कर्मचारी ने रमाडा होटल के पास स्थित कार्यालय में कुर्सी को लेकर हुए विवाद के बाद अपने सहकर्मी को गोली मार दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने गत दिवस बुधवार को बताया कि पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसका एक निजी अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपी हरियाणा के हिसार का रहने वाला है और उसके खिलाफप्राथमिकी दर्ज की गई है। पीड़ित की पहचान गुरुग्राम सेक्टर नौ स्थित फिरोज गांधी कॉलोनी के निवासी विशाल (23) के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और विशाल को अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया कि विशाल के परिजन को इस बारे में सूचित किया गया और पीड़ित के भाई की शिकायत पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 307 (हत्या की कोशिश) और शस्त्र कानून की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। विशाल ने अपने बयान में कहा कि उसकी कार्यालय में कुर्सी को लेकर अपने सहकर्मी अमन जांगड़ा से मंगलवार को बहस हो गई थी। पुलिस ने बताया कि विशाल और अमन के बीच बुधवार को भी इसी बात पर झगड़ा हुआ, जिसके बाद वह कार्यालय से बाहर चला गया। पुलिस के अनुसार, विशाल ने आरोप लगाया कि जब वह सड़क पर चल रहा था, तो अमन पीछे से आया और उसने पिस्तौल से उस पर गोली चला दी। इसके बाद वह घटनास्थल से फरार हो गया। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) वीरेंद्र विज ने कहा कि आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसे पकड़ने के लिए छापे मारे जा रहे हैं। हम जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लेंगे।

विदेशों में भी गरमाया राहुल गांधी का मामला जर्मनी ने की टिप्पणी

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी का मामला देश में तो तूल पकड़ ही रहा, अब विदेशों से भी बयान आने लगे हैं। लोकसभा सदस्यता रद्द होने के मामले में जर्मनी ने अपनी प्रतिक्रया दी है। हालांकि देश की राजनीति में तो इसको लेकर तो भारी घमासान मचा हुआ है। अमेरिका के बाद अब जर्मनी ने राहुल गांधी विवाद को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा है कि हम भारत में विपक्षी दल के नेता राहुल गांधी के खिलाफ आए अदालत के फैसले और उनकी संसद सदस्यता रद्द होने के मामले पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार, राहुल गांधी फैसले के खिलाफ अपील करने की स्थिति में हैं। अपील के बाद स्पष्ट होगा कि कि फैसला कायम रहेगा या नहीं और उनकी संसद सदस्यता रद्द करने का कोई आधार है या नहीं। हम उम्मीद करते हैं कि न्यायिक स्वतंत्रता और मौलिक लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन किया जाएगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी पर प्रतिक्रिया के लिए जर्मनी को शुक्रिया कहा है। इधर जर्मनी की प्रतिक्रिया का स्वागत करे हुए दिग्विजय ने ट्वीट किया कि राहुल गांधी के उत्पीड़न के माध्यम से भारत में लोकतंत्र के साथ समझौता किया जा रहा है। इस मुद्दे पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। यहां यह बात गौरतब है कि जर्मनी से पहले इस मामले में अमेरिकी ने भी प्रतिक्रिया दी थी कि हम भारतीय अदालतों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मामले पर अपनी नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने ये भी कहा था कि अमेरिका भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता के लिए भारत सरकार के साथ है। गौरतलब है कि 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने मोदी सरनेम पर को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। इसको लेकर सूरत की कोर्ट ने राहुल गांधी को दोषी ठहराते हुए उन्हें दो साल की सजा सुनाई है। फलस्वरुप लोकसभा सदस्य (सांसद) के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

अब पर्यटकों के लिए एक साल में दो बार खुलेगा अमृत उद्यान

नई दिल्ली। अपनी खूबसूरती के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान अगस्त माह में एक बार फिर आम जन के लिए खोला जाएगा। इस उद्यान के खुशबूदार रंग-बिरंगे फूल न केवल देश के लोगों को आकर्षित करते हैं, बल्कि विदेशी नागरिक भी इसे देखने के लिए आते हैं। आजादी के बाद यह पहली बार है जब इसे एक ही साल में दूसरी बार पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। पर्यटकों के उत्साह को देखते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने यह पहल की है। यह अब सावन में 16 अगस्त से 16 सितंबर तक खुलेगा। इसे पहले मुगल गार्डन के नाम से जाना जाता था। इसी साल जनवरी में इसका नाम अमृत उद्यान किया गया था। 29 जनवरी से 29 मार्च तक यहां दस लाख पर्यटक आए थे। पर्यटकों के उत्साह को देखते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने यह पहल की है। यह अब सावन में 16 अगस्त से 16 सितंबर तक खुलेगा। इसे पहले मुगल गार्डन के नाम से जाना जाता था। इसी साल जनवरी में इसका नाम अमृत उद्यान किया गया था। 29 जनवरी से 29 मार्च तक यहां दस लाख पर्यटक आए थे। जो भी एक बार अमृत उद्यान की सैर कर लेता है, यहां की यादें सदैव के लिए उसके जीवन का हिस्सा बन जाती हैं। इस सावन में भी जब पर्यटक उद्यान की सुंदरता निहारने यहां आएं तो आंखों व दिल में प्रकृति के विविध रंग भर कर जाएं, इसकी तैयारी अभी से शुरू कर दी गई है। राष्ट्रपति के अपर सचिव राकेश गुप्ता के अनुसार अमृत उद्यान की सुंदरता बढ़ाने के लिए हमें ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक व अन्य इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म के जरिये कई सुझाव मिले, जिन पर अमल करते हुए व्यवस्था में सुधार किया गया है। पर्यटक जब यहां आएंगे तो उन्हें अलग ही अनुभव मिलेगा।

जोशीमठ आपदा प्रभावितों को होटल के कमरे खाली करने दी हिदायत

–होटल मालिकों ने सराकर पर लगाया किराया भुगतान नहीं करने का आरोप

जोशीमठ । होटलों में ठहरे हुए आपदा प्रभावितों को होटल मालिकों ने कमरे खाली करने का अल्टीमेटम दे दिया है। गौरतलब है कि पिछले दिनों उत्तराखंड के चमोली जिले के जोशीमठ में जमीन धंस गई थी, जिसके कारण मकानों में दरारें आने के बाद जिन लोगों को प्रशासन ने होटलों में स्थानांतरित किया था। लेकिन उन्हें अब होटल मालिकों ने 31 मार्च तक कमरे खाली करने के लिए कहा है। बताया जा रहा है कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि राज्य में चारधाम तीर्थ यात्रा के लिए आगामी यात्रा सीजन के मद्देनजर होटल मालिकों की आय बढ़ सकेगी। हालांकि प्रशासन ने इस मामले में अभी कुछ नहीं कहा है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक प्रभावित लोगों को होटलों में रखने के लिए समय सीमा बढ़ाने कहा गया है, जबकि सरकार का जवाब इस मामले में अभी तक नहीं आया है। विदित हो कि जनवरी के पहले सप्ताह में जोशीमठ में जमीन धंसने से लोग होटलों, धर्मशालाओं और किराए के मकानों में विस्थापित हो गए। होटलों में सरकार एक कमरे का रोज 950 रुपए किराया दे रही है। जो किराए के मकान में रह रहे हैं उन्हें पांच हजार रुपये हर माह दिए जा रहे हैं। जोशीमठ नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न होटलों, धर्मशालाओं में 181 परिवारों के 694 सदस्य ठहरे हुए हैं. उनके खाने-पीने का भी इंतजाम किया गया है सरकार ने आपदा प्रभावित लोगों के लिए 31 मार्च तक होटलों में ठहरने की व्यवस्था की थी।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत विदेशी हस्तक्षेप को कतई नहीं करेगा बर्दाश्त: अनुराग ठाकुर

– जर्मनी की प्रतिक्रिया व दिग्विजय सिंह के धन्यवाद पर बरसे केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को सूरत की अदालत द्वारा सजा मिलने के बाद लोक सभा की सदस्यता से अयोग्य करार दिए जाने के मामले में जर्मनी की तरफ से आई प्रतिक्रिया और उस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह द्वारा जर्मनी को धन्यवाद कहे जाने पर पलटवार करते हुए सरकार ने एक बार फिर से कांग्रेस पर हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर विदेशी शक्तियों को भारत के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप करने के लिए आमंत्रित करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत विदेशी हस्तक्षेप को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।

दरअसल, राहुल गांधी के मामले में टिप्पणी करते हुए जर्मनी ने यह कहा था कि वह इस मामले पर नजर बनाए हुए है। जर्मनी की इस प्रतिक्रिया पर कांग्रेस की तरफ से उन्हें धन्यवाद करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर कहा कि राहुल गांधी के उत्पीड़न के माध्यम से भारत में कैसे लोकतंत्र के साथ समझौता किया जा रहा है। इस मुद्दे पर ध्यान देने के लिए जर्मनी के विदेश मंत्रालय का धन्यवाद।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के जर्मनी को धन्यवाद कहने वाले इसी ट्वीट के स्क्रीनशॉट को शेयर करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने ट्वीट कर कहा कि राष्ट्र के लिए अपमानजक, कांग्रेस और राहुल गांधी देश के भीतर भारत की लोकतांत्रिक, राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ने में विश्वास नहीं करते हैं। इसलिए विदेशी शक्तियों को हमारे आंतरिक मामले में हस्तक्षेप करने के लिए आमंत्रित करते हैं, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत किसी भी विदेशी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं करेगा।

ललित मोदी ब्रिटेन में दाखिल करेंगे राहुल गांधी के खिलाफ केस

नई दिल्ली । ललित मोदी ने ब्रिटेन में राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज कराने की चेतावनी दी है। आईपीएल के संस्थापक रहे ललित मोदी ने ट्वीट कर कहा है कि वह कांग्रेस नेता के खिलाफ ब्रिटेन की अदालत में जायेंगे। दरअसल, राहुल के उनकी मोदी सरनेम वाली टिप्पणी पर संसद से अयोग्य ठहराए जाने के बाद ललित मोदी ने उसी बयान को आधार बनाकर ब्रिटेन की अदालत में केस करने की ठान ली है। ललित मोदी ने ट्वीट की झड़ी लगाते हुए कहा कि राहुल ने अपने भाषण में कहा है कि मैं भगोड़ा हूं, लेकिन इस बात का क्या सबूत है। उन्होंने सवाल किया कि किस आधार पर उन्हें भगोड़ा कहा जा रहा है और कहा कि उन्हें कभी भी दोषी नहीं ठहराया गया है और इसलिए वह एक सामान्य नागरिक हैं। ललित ने ट्वीट में कहा, मैं टॉम डिक और गांधी के लगभग हर सहयोगी को बार-बार यह कहते हुए देखता हूं कि मैं भगोड़ा हूं, लेकिन क्यों और कैसे? मुझे आज तक कब दोषी ठहराया गया? ललित मोदी ने इसी के साथ विपक्षी नेताओं को फटकार लगाई और प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया। ललित मोदी का यह हमला राहुल गांधी को 2019 के मानहानि मामले में मोदी उपनाम पर उनकी टिप्पणी के लिए दो साल की सजा दिए जाने के कुछ दिनों बाद आया है। जहां तक कर्नाटक के कोलार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था, कैसे सभी चोरों का एक ही सरनेम मोदी है। उनके इसी बयान ने मुश्किल में डाल दिया था। ललित ने चेतावनी देते हुए कहा कि अब सामान्य नागरिक बन चुके पप्पू उर्फ राहुल गांधी की तरह मैं भी सामान्य हूं, लेकिन अब कोर्ट ले जाकर इनकी गलतफहमी दूर करूंगा।

सुप्रीम कोर्ट की नसीहत, सांसद-विधायकों को सजा सुनाते वक्त थोड़ा ध्यान रखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सांसद और विधायको को सजा के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नसीहत दी है। एससी ने कहा है ?कि सांसदों-विधायकों को दो साल या उससे अधिक की सजा होते ही सदस्यता चले जाने का प्रावधान बेहद कड़ा है। इसलिए अदालतों को जनप्रतिनिधियों को किसी भी मामले में सजा सुनाते वक्त थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। कानूनी मामलों की कवरेज करने वाली एक वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए बुधवार को यह टिप्पणी की। हाल ही में राहुल गांधी को मिली दो साल की सजा के बाद उनकी सदस्यता चली गई है। उस मामले को देखते हुए अदालत की यह टिप्पणी अहम मानी जा रही है। जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की अदालत ने लक्षद्वीप के सांसद मोहम्मद फैजल और केंद्र शासित प्रदेश की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। गौरतलब है कि मोहम्मद फैजल को हत्या के प्रयास के मामले में 10 साल की कैद हुई थी, जिसके बाद उनकी सदस्यता चली गई थी। इसके पश्चात केरल हाई कोर्ट में उनकी ओर से अपील दायर की गई बाद में सजा पर स्टे लग गया था। उनकी सदस्यता बहाल होने में देरी हुई तो उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। वहीं केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप की ओर से भी एक याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें मांग की गई थी कि केरल हाई कोर्ट के फैसले पर स्टे लगाया जाए। इन्हीं दोनों अर्जियों पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने निचली अदालतों से सजा सुनाते वक्त थोड़ा संवेदनशील रहने को कहा।

अडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने सुनवाई के दौरान बताया कि जनप्रतिनिधित्व कानून के सेक्शन 8(3) के मुताबिक यदि किसी सांसद अथवा विधायक को दो या उससे ज्यादा साल की सजा होती है तो उसकी सदस्यता तत्काल चली जाती है। इस पर जस्टिस जोफेस ने कहा, लेकिन यह प्रावधान बेहद कड़ा है। इसलिए अदालतों को सजा सुनाते वक्त थोड़ा ध्यान रखना चाहिए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी में केरल हाई कोर्ट के उस फैसले पर अंतरिम रोक से इनकार कर दिया था, जिसमें मोहम्मद फैजल की सजा पर रोक का आदेश दिया गया था।

दिल्ली के बाद गुजरात में 'आप' ने लगाए 'मोदी हटाओ-देश बचाओ' के पोस्टर

अहमदाबाद (एजेंसी)। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल के नेतृत्ववाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार और केन्द्र सरकार के बीच जारी पोस्टर वॉर थमने का नाम नहीं ले रहा। दिल्ली के बाद पोस्टर वॉर अब गुजरात भी पहुंच गया है। कुछ दिन पहले दिल्ली में 'मोदी हटाओ-देश बचाओ' पोस्टर लगे थे। अब अहमदाबाद के कई इलाकों में ऐसे ही पोस्टर लगाए गए हैं। केजरीवाल अब पोस्टरों के जरिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा हमला कर रहे हैं। आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 11 भाषाओं में मोदी हटाओ, देश बचाओ के पोस्टर जारी किए हैं और आज से देशभर में इसे लगाने का आयोजन है। देश में अच्छे दिन आए या नहीं यह तो जनता ही तय करेगी। लेकिन विपक्ष के बुरे दिन जरूर चल रहे हैं। कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों का उन्हें टार्गेट किए जाने का केन्द्र की मोदी सरकार पर आरोप है। आप ने मोदी सरकार के विरोध में देशभर में अलग अलग भाषाओं में पोस्टर लगाने शुरू कर दिए हैं। इसकी शुरुआत दिल्ली से हुई थी जो अब देशभर में फैल रही है। बता दें कि दिल्ली में ऐसे मोदी हटाओ, देश बचाओ के पोस्टर लगाए जाने के बाद पुलिस ने 100 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की थी और 6 लोगों को गिरफ्तार भी किया था। इसी के अंतर्गत 23 मार्च को दिल्ली में आप ने जंतर मंतर पर एक जनसभा की थी। जिसे अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने संबोधित किया था। दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय सभा में ऐलान किया था कि 30 मार्च को आप देशभर में मोदी हटाओ, देश बचाओ के पोस्टर लगाएगी। आप ने मोदी हटाओ, देश बचाओ के पोस्टर हिन्दू, ऊर्दू, अंग्रेजी, पंजाबी, गुजराती, तेलगु, बंगाली, उड़िया, कन्नड, मलयालम और मराठी भाषा में जारी किया है। गुजरात में गुजराती भाषा में मोदी हटाओ, देश बचाओ के पोस्टर लगाए गए हैं।

यूपी में घटी बेरोजगारी दर, योगी सरकार को दिया श्रेय

लखनऊ (एजेंसी)। उप्र में योगी सरकार ने बेरोजगारी कम करने में अपनी महति भूमिका अदा की है। यहां पर अब अनेक क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध हुआ है। केंद्र सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार बीते छह वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी दर घटी है। विकास के कुछ अन्य संकेतकों में भी प्रदेश ने जबरदस्त बढ़ोतरी की है। साल 2017 से प्रदेश में बेरोजगारी दर में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2017-18 में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में बेरोजगारी दर प्रति हजार जनसंख्या पर 55 थी तो 2018-19 में यह घटकर 43 हुई और 2019-20 में 32 हो गई। 2020-21 में भी बेरोजगारी दर 32 पर स्थिर रही। आंध्र प्रदेश (33), हरियाणा (54), राजस्थान (36), तमिलनाडु (48) और तेलंगाना (34) जैसे राज्यों की तुलना में यह काफी कम है। आंकाड़ों के अनुसार प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में वर्ष 2017-18 में बेरोजगारी दर प्रति हजार जनसंख्या पर 97 थी, जबकि 2019-20 में यह 88 और 2020-21 में 80 पर आ गई। कांग्रेस शासित राजस्थान (102) की तुलना में यह काफी कम है।

प्रति व्यक्ति आय भी बढ़ी

हर्ष की बात तो यह है कि यहां प्रति व्यक्ति आय में भी साल दर साल तेज बढ़ोतरी हुई है। 2017-18 में उप्र में प्रति व्यक्ति आय 57944 रुपये थी जो 2018-19 में 62350 रुपये, 2019-20 में 65666 रुपये, 2020-21 में 61666 रुपये और 2021-22 में 68810 रुपये पहुंच गई। प्रदेश में कारखानों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। 2017-18 में जहां 15830 कारखाने थे, वहीं 2019-20 यह संख्या 16184 पर पहुंच गई। जबकि हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य कारखानों की संख्या के मामले में उप्र से पीछे हैं।

येदियुरप्पा का बयान, बीजेपी ने मुसलमानों के साथ नहीं किया अन्याय

बेंगलुरु (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बी.एस. येदियुरप्पा ने कहा है कि बीजेपी ने मुसलमानों के साथ कोई अन्याय नहीं किया है। गुरुवार को उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी ने समुदायों के लिए आरक्षण कोटा तय करते पूरी तरह से न्याय किया है। एक पत्रकारवार्ता में येदियुरप्पा ने कहा कि 4 प्रतिशत आरक्षण को स्थानांतरित करने से मुस्लिम समुदाय को कोई नुकसान नहीं हुआ है। बल्कि मुसलमानों को ईडब्ल्यूएस कोटा के तहत लाया गया है, इसके प्रति कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने आगे कहा कि चूंकि धर्म के आधार पर आरक्षण देना संभव नहीं था, इसलिए उन्हें ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत लाया गया है। केंद्र सरकार गरीब और किसान हितैषी योजनाओं को लागू कर रही है। अगर कोई मतभेद हैं तो दूर किया जाएगा। गौरतलब है कि कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा ने हाल ही में पिछली कैबिनेट बैठक के बाद नए आरक्षण कोटा की घोषणा की है। उन्होंने ओबीसी श्रेणी के तहत मुसलमानों के 4 प्रतिशत कोटा को वापस लेकर राज्य के प्रभावशाली समुदायों लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों के कोटा में 2 प्रतिशत की वृद्धि की थी। इधर पलटवार करते हुए राज्य कांग्रेस इकाई ने कहा कि वह सत्ता में आते ही नए आरक्षण कोटे को खत्म कर देगी। मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा, धार्मिक अल्पसंख्यकों को सात राज्यों में आरक्षण नहीं है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) कोटे के तहत मुस्लिमों को आरक्षण आवंटित करने का निर्णय लिया गया है। जबकि यहां पर आरक्षण में बढ़ोतरी की मांग पिछले 30 वर्षों से लंबित थी, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने कुछ नहीं किया।

दिल्ली में कोरोना वायरस को लेकर जारी हुई नई एडवाइजरी, मास्क पहनने की दी गई सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में इन दिनों कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए अब मास्क पहनने की हिदायत दी गई है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए आपात बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में निर्णय लिया गया है कि कोरोना संक्रमण या फ्लू जैसे लक्षणों से जूझ रहे लोगों को मास्क पहनने चाहिए।

ये जानकारी स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दी है। ये भी कहा गया है कि जो लोग अस्पताल में जाएं वो भी एहतियात के तौर पर मास्क पहन कर रहें। बता दें कि ये निर्णय दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद सामने आया है। इस बैठक के बाद दिल्ली सरकार ने साफ किया है कि दिल्ली में मौजूदा हालात काबू में है। ऐसे में लोगों को कोरोना वायरस संक्रमण से घबराने की जरुरत नहीं है।

बता दें कि दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की सकारात्मकता दर 10 प्रतिशत से अधिक है। हालांकि अभी यहां अधिक संख्या में टेस्ट भी नहीं किए जा रहे है।

स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार ने कहा कि वह कोरोनोवायरस स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रही है और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को फिर से इस मामले पर समीक्षा बैठक करेंगे। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि अस्पताल में भर्ती होने की दर कम है। उन्होंने मामलों में तेजी के बीच राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा के लिए गुरुवार को एक बैठक आयोजित करने के बाद यह बात कही।

इन बातों का रखें ध्यान

- संक्रमित लोगों के लिए फेस मास्क की सलाह दी गई है।
- सकारात्मकता दर 10प्र. दर्ज की गई है लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है और सावधानी बरतनी चाहिए।
- कोविड की तैयारियों के लिए मॉक ड्रिल की जाएगी और नतीजे सीएम अरविंद केजरीवाल को दिए जाएंगे।
- दिल्ली सरकार ने जीनोम टेस्टिंग पर टेस्टिंग तेज कर दी है और मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है।
- जरूरत के मुताबिक कोविड टेस्टिंग बढ़ाई जाएगी और कल 2,200 टेस्ट किए गए हैं।

कोरोना का कहर : पिछले 6 महीनें में आए सबसे अधिक नए मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में दिन ब दिन कोरोना की स्थिति भयावह होती जा रही है। जहां नए मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है वहीं हालात बिगड़ते नजर आ रहे है। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,016 नए मामले आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,47,12,692 हो गई है। पिछले छह महीने में सामने आए ये सर्वाधिक दैनिक मामले हैं। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 13,509 पर पहुंच गई है। यहां यह बात गौरतलब है ?कि इससे पहले, पिछले साल दो अक्टूबर को 3,375 दैनिक मामले सामने आए थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार सुबह 8 बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में संक्रमण से तीन, दिल्ली में दो और हिमाचल प्रदेश में एक मरीज की मौत के बाद देश में मृतक संख्या बढ़कर 5,30,862 हो गई। वहीं, केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में 8 नाम और जोड़े हैं। भारत में संक्रमण की दैनिक दर 2.73 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 1.71 प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, देश में अभी 13,509 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.03 प्रतिशत है।

कोरोना की शुरुआती स्थिति

यहां यह गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। चार मई 2021 को संक्रमितों की संख्या दो करोड़, 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी।

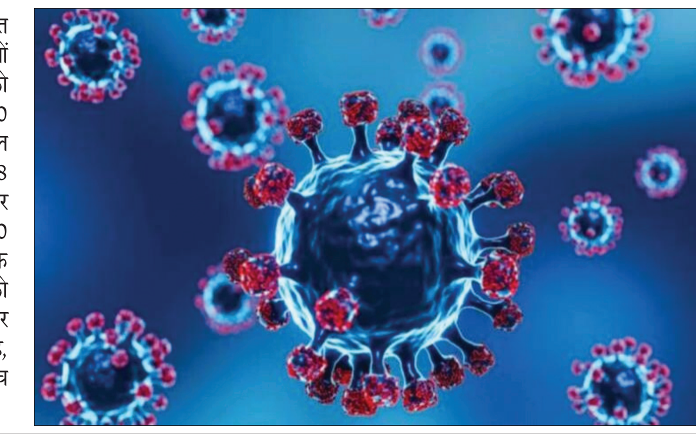

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई